



ख़बर

प्रसंगवश

पश्चिम बंगाल में भाजपा को बंगाली बनने की जरूरत है

मोदीवादी बननी

जब तक दिल्ली भाजपा के नेता बंगाली में सिर्फ सांकेतिक शब्दों से आगे बोलना नहीं सीख जाते और बंगाली लोकाचार, संवेदनशीलता और हास्य की समझ विकसित नहीं करते, मैं पार्टी को इस राज्य में कोई खास प्रभाव डालते नहीं देख पाऊंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दीदी ओ दीदी' टिप्पणी भाषा से परे चली गई और भाजपा के लिए नकारात्मक साबित हुई। हालांकि, राष्ट्रीय भाजपा नेताओं द्वारा की गई अन्य टिप्पणियां बंगाल के लोगों के लिए अनुवाद में खो जाती हैं।

'घुसपैटियर' या 'तुष्टीकरण' जैसे शब्द यहां बहुत कम सुनाई देते हैं, न ही 'मंगलसूत्र' या अमित शाह की नवीनतम 'मुल्ला, मद्रसा, माफिया' लाइन जैसे वाक्य, जो ममता बनर्जी के हस्ताक्षर 'मां, माटी, मानुष' नारे का विमोचक रूप है। बंगाल में इस्लामी शिक्षकों या धार्मिक नेताओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द 'इमाम' है, मद्रसों को वैध शैक्षणिक संस्थान की मान्यता प्राप्त है और जबकि 'माफिया' अंग्रेजी शब्द है, यह स्थानीय राजनीतिक भाषा का हिस्सा नहीं है। भाजपा नेताओं द्वारा प्रयुक्त हिंदी शब्द बंगाली संदर्भ में उतना महत्व या अर्थ नहीं रखते।

चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं, बंगाली उत्तर भारत की मुख्यधारा से अलग है और अगर भाजपा वाकई बंगाल से 272 सीटों का आंकड़ा पार करना चाहती है, तो '400 पार' की बात तो दूर, पार्टी को अपनी रणनीति का भी फिर से मूल्यांकन करना पड़ेगा। अभी भी वक्त है। 2024 के चुनाव में पांच चरण बाकी हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि मुख्यमंत्री बननी सुनिश्चित करती हैं कि वे बातचीत को स्थानीय भाषा में

करें। बजाय घुसपैटियर और तुष्टीकरण जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने के, वे 'मंगलसूत्र' की तुलना में स्कूल जांब घोटाले के बारे में अधिक आसानी से बात करेंगी। वे घरों और नरेगा के पैसे के बारे में बात करेंगी, जिसके लिए वे भाजपा पर बंगाल के लोगों को बंचित करने का आरोप लगाती हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा साझा किए गए वोट प्रतिशत में अंतर पर विवाद कुछ ऐसा है जिसके बारे में वे बात करेंगी, लेकिन मुझे संदेह है कि कर्नाटक के प्रज्वल रेवन्ना कभी यहां राजनीतिक चर्चा में शामिल होंगे। वे इस मुद्दे को नहीं उठाएंगी क्योंकि इससे लोगों को संदेशखाली की याद आ जाएगी, लेकिन इसके अलावा भी, यौन उत्पीड़न बंगाल में बातचीत का विषय नहीं है।

लेकिन मैं शायद बहुत जल्दी बोल रही हूँ, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप किस तरह से सामने आता है। राजभवन की एक कर्मचारी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। राज्यपाल ने इस आरोप को 'मनगढ़त कहानी' बताकर खारिज किया है और कहा है कि शायद कोई उन्हें बदनाम करके 'चुनावी लाभ' लेने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन ऊपर निकाले गए निष्कर्ष अचानक नहीं हैं। वे आंशिक रूप से कोलकाता में प्रतीची संस्थान के राष्ट्रीय शोध समन्वयक साबिर अहमद के विश्लेषण पर आधारित हैं, जिसके अध्यक्ष अमर्य सेन हैं। अहमद ने बंगाल में चार पार्टियों—टीएमसी, भाजपा, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के 2024 के चुनाव घोषणापत्र का अध्ययन किया। उनके विश्लेषण से यह बात सामने आई: टीएमसी ने 'महिला', 'शिक्षा' और 'स्वास्थ्य' शब्दों का सबसे ज्यादा बार जिक्र किया है, बीजेपी,

कांग्रेस या सीपीआई (एम) से भी ज्यादा बार। बीजेपी के घोषणापत्र में 'महिला', 'नौकरी' और 'ग्रामीण' का जिक्र सबसे कम बार किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में 'अल्पसंख्यक', 'नौकरी' और 'गरीब' का जिक्र सबसे ऊपर है। सीपीआई (एम) के घोषणापत्र में 'भ्रष्टाचार' शब्द का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया गया है। सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों की तुलना करने पर एक तथ्य सामने आता है: भाजपा के विकल्प सबसे ज्यादा पूर्वानुमानित हैं। वे हैं 'भारत', 'ग्लोबल', 'पीएम', 'गारंटी' और 'विस्तार'।

विश्लेषण में भाजपा के घोषणापत्र में संस्कृतशब्द शब्दों को भी सूचीबद्ध किया गया है जिन्हें बंगाल के लिए विदेशी माना जाता है।

समस्या को ठीक करने के लिए भाजपा को दो कदम उठाने चाहिए। पहला है स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाना और उन्हें चुनावी मौसम में एजेंडा तय करने का अधिकार देना। पार्टी ने 2021 से सबक लिया है। विधानसभा चुनाव से पहले, यह सामने आया था कि स्थानीय नेतृत्व को दरकिनारा किया गया, जबकि बंगाल से बाहर के नेता, जिन्होंने कोलकाता में डेरा जमा लिया था, चर्चा में छाप हुए थे। सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले नेताओं में कैलाश विजयवर्गीय, अरविंद मेनन, बाबुल सुप्रियो (अब टीएमसी में), साथ ही भूपेंद्र यादव, धर्मेन्द्र प्रधान और हिमंत बिस्वा सरमा शामिल थे।

दिलीप घोष जैसे स्थानीय नेता, जो उस समय राज्य में भाजपा इकाई के अध्यक्ष थे और 2019 में 18 सीटों पर जीत के सूत्रधार थे, पार्टी से बाहर हो गए और दबाव में थे। सुवेदु अधिकारी अभी-अभी पार्टी में शामिल हुए थे। इसलिए, 'बाहरी लोगों' का बोलबाला

था। बंगाल की राजनीतिक संस्कृति और लोकाचार से अलग, चर्चा में उनका दबदबा विफल रहा और वे अमित शाह के '200 पार' के लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहे। इस बार कोलकाता आने वाले भाजपा पर्यवेक्षक लगभग अदृश्य हैं और यह जानबूझकर लिया गया फैसला था। बेशक, बड़े-बड़े नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन कोलकाता में तैनात और तार खींचने वाले पर्यवेक्षकों को रखर से दूर रहने की सलाह दी गई है। टीम में सुनील बंसल, मंगल पांडे, अर्का लाकड़ा और अमित मालवीय शामिल हैं। आखिरी वाले केवल एक्स पर हैं।

सुवेदु अधिकारी को प्रमुख भूमिका दी गई है और उनकी कम से कम 30 सिफारिशों किए गए उम्मीदवारों को स्वीकार किया गया है। टुटबाजी की खबरों के बीच, भाजपा के मौजूदा राज्य अध्यक्ष सुकांत मजूमदार अपनी जगह और शांति बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। यह सब बहुत अच्छा है, लेकिन राज्य में आने-जाने वाले राष्ट्रीय भाजपा नेताओं के लिए बंगाली में क्रेश कोर्स करना अच्छा रहेगा— वास्तव में बंगाली की सभी चीजें, रसगुल्ला और अमी तोमाके भालोबाशी जैसी रूढ़ियों से परे हैं। इसमें होदोल कुटकुट जैसे शब्द सीखना और सत्यजीत रे के पिता सुकुमार रे की बकवास कविताओं की बेहतरीन किताब अबोल-ताबोल का थोड़ा सा हिस्सा शामिल है।

अच्छे उपाय के तौर पर, खासतौर पर इस गर्मी में कुछ लोका भाजा और आलू भोता के साथ पास्ताभात का थोड़ा सा हिस्सा भाजपा को बंगाली बनाने और बंगाल जीतने का मौका देने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आज तीसरे चरण की वोटिंग: मतदान केंद्रों में पहुंचे दल, अब तक 1433 एफआईआर

सीईओ अनुपम राजन बोले, भिंड-मुरैना सर्वाधिक संवेदनशील, सभी पोलिंग में वेबकास्टिंग

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए चुनावी शोर थमने तक प्रदेश में 1433 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इसमें कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले लोगों पर भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। मंगलवार को होने वाले मतदान के लिए ग्वालियर चंबल संभाग के जिलों खासतौर पर मुरैना और भिंड के शत प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के जरिये चुनाव आयोग मतदान पर नजर रखेगा। यहां हर चुनाव में होने वाली हिंसा के मद्देनजर सुरक्षा प्रबंधों पर भी खासा फोकस किया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) अनुपम

राजन ने पत्रकारों से चर्चा में यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में 20456 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें से 16011 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग कराई जा रही है जो कुल मतदान केंद्रों का अस्सी प्रतिशत है। इसके पहले दो चरणों के चुनाव में मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग का प्रतिशत 65 से 70 प्रतिशत तक ही रहा है पर इस बार 80 प्रतिशत तक मतदान केंद्रों को इससे कवर किया गया है। इन मतदान केंद्रों पर छाया और गर्मी व लू से बचाव के इंतजाम भी किए गए हैं ताकि लोगों को गर्मी के कारण परेशानी न हो। लाइन लंबी होने की स्थिति में छायादार स्थानों पर बैठने की भी व्यवस्था कलेक्टरों ने की है ताकि लोग वोट डालने में पीछे न हटें।



19 जिलों की 72 विधानसभा में होगा चुनाव

सीईओ राजन ने कहा कि तीसरे चरण में शामिल 9 लोकसभा सीट के चुनाव के लिए 19 जिलों की 72 विधानसभा में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए पोलिंग पार्टी के मतदान केंद्रों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है और शाम तक सभी मतदान दल मतदान केंद्रों में पहुंचकर आज कराए जाने वाले मतदान की व्यवस्था कर लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में वोटिंग होना है उनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, देवास, भोपाल, राजगढ़, आगर मालवा, बैतूल, हरदा, खंडवा जिले शामिल हैं।

झारखंड में ईडी की कार्रवाई पर ओडिशा में बोले पीएम मोदी

पड़ोसी राज्य में नोटों का पहाड़ मिल रहा

नबरंगपुर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से झारखंड में भारी मात्रा में नकद जब्त किए जाने का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में एक चुनावी रैली में की। ओडिशा के नबरंगपुर में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई की कुछ लोग सराहना कर रहे हैं तो कुछ लोग इस भ्रष्टाचार और लूट को रोकने की आलोचना कर रहे हैं।

पीएम ने कहा, आज, पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिला है। लोग कह रहे हैं कि चोरी हो गया और माल पकड़ रहा मोदी वहां। अब आप ही बताइए, यदि मैं उनकी चोरी रोकूंगा, उनकी आमदनी बंद कर दूंगा, उनकी लूट बंद कर दूंगा तो वे मोदी को गाली देंगे नहीं देंगे तो और क्या करेंगे। पीएम ने चुनावी सभा में कहा, क्या गालियों के बावजूद मुझे यह काम नहीं करना चाहिए? क्या मुझे आपके पैसों की रक्षा नहीं करनी चाहिए।

पीएम ने यह प्रतिक्रिया सोमवार को ईडी की ओर से झारखंड की राजधानी रांची में की गई बड़ी कार्रवाई के बाद दी है। सोमवार को केंद्रीय एजेंसी ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक के आवास से 20 करोड़ रुपये जब्त किए। सोमवार की सुबह रांची में कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की।

कांग्रेस ने अशोक गहलोत और भूपेश बघेल को रायबरेली-अमेठी का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट के लिए सीनियर ऑब्जर्वर की नियुक्ति की है। इसके लिए राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को चुना गया है। गांधी परिवार की परंपरागत सीट रायबरेली से इस बार राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, अमेठी से पार्टी ने किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया है। सीनियर ऑब्जर्वर बनाए गए भूपेश बघेल भी छत्तीसगढ़ राज्य की राजनामांवा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट पर नड्डा, अमित मालवीय और विजयेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज- भाजपा के नेशनल प्रेसिडेंट जेपी नड्डा, आईटी सेल के हेड अमित मालवीय और कर्नाटक बीजेपी के प्रेसिडेंट बी वई विजयेंद्र के खिलाफ कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एफआईआर दर्ज कराई है। सभी पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विशेष उम्मीदवार को वोट नहीं देने के लिए एससी और एसटी वोटर्स को भड़काने का आरोप है।



राजस्थान-छत्तीसगढ़ नीट के गलत पेपर बंटें, लीक का आरोप

एनटीए बोला- कुछ बच्चे समय से पहले सेंटर से भागे, बिहार से 9 सॉल्वर अरेस्ट



नई दिल्ली/जयपुर/रायपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सर्वाई माधोपुर के बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर मानटाउन में नीट के पेपर के दौरान हंगामा हो गया था।

सोशल मीडिया पर स्टूडेंट्स और कुछ पॉलिटीशियन ने नीट यूजीए एजाम का पेपर लीक होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट करके इसके लिए सरकार को जिम्मेदार बताया। इन सबके बीच परीक्षा करने वाली संस्थान नेशनल टेरिस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कहा- पेपर लीक होने के आरोप गलत है।

एनटीए ने कहा- गलत पर्चा बंट था, जिसे लेकर छात्र भागे थे- एनटीए की सीनियर डायरेक्टर साधना पराशर ने बताया- सर्वाई माधोपुर के गलर्स हायर सेकेण्डरी मॉडल स्कूल में गलत क्वेश्चन पेपर बांट दिया गया था।

हिंदी मीडियम के स्टूडेंट्स को अंग्रेजी मीडियम का पेपर दे दिया गया, जिससे स्टूडेंट्स परेशान हो गए। इविजिलेटर्स की कोशिशों के बावजूद कई



स्टूडेंट्स एजाम सेंटर से पेपर लेकर भाग गए। इनमें से ही किसी ने पेपर वायरल किया होगा। हालांकि तब तक पेपर शुरू हो चुका था, इसलिए

परिजन बोले-

● बच्चों के भविष्य का क्या होगा ?

एजाम देने आई हिंदी मीडियम की छात्रा करीना ने रोते हुए बताया कि हम हिंदी मीडियम वाले स्टूडेंट्स को इंग्लिश मीडियम का पेपर दे दिया। विरोध करने मारपीट भी की गई। एजाम देने आए और भी स्टूडेंट्स ने बताया कि हमें इंग्लिश मीडियम का पेपर दे दिया और जब विरोध किया तो हमसे पेपर ले लिया गया। फिर 20 मिनट बाद वापस वो ही पेपर दे दिया और कहा गया कि यही पेपर करना पड़ेगा। परिजनों ने बताया कि बच्चों को पेपर देने में तो गड़बड़ी की ही, साथ ही बच्चों को पीटा भी गया। सुचना के बाद पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।

इसे पेपर लीक नहीं माना जाएगा। इस गड़बड़ी के कारण 120 लड़कियां प्रभावित हुई हैं, जिनके लिए एनटीए जरूरी कदम उठा रहा है।

बिहार में 9 सॉल्वर अरेस्ट

बिहार में नीट की परीक्षा में सॉल्वर गैंग के 9 लोग गिरफ्तार हुए हैं। ये दूसरे के बदले परीक्षा दे रहे थे। पटना पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 मेडिकल स्टूडेंट हैं। वहीं पूर्णिया से भी 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

शहीद विकी पहाड़े को गार्ड ऑफ ऑनर से अंतिम विदाई

छिंदवाड़ा (नप्र)। जम्मू कश्मीर के पुंछ में

आतंकी हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विकी पहाड़े का अंतिम संस्कार छिंदवाड़ा के पातालेश्वर मोक्षधाम में किया गया। मुखाम्मि शहीद के 5 साल के बेटे हार्दिक ने दी। इससे पहले, एयरफोर्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सेना के हेलिकॉप्टर से उनका पार्थिव शरीर नागपुर से सुबह 10.30 बजे इमलीखेड़ा हवाई पट्टी (छिंदवाड़ा) लाया गया। गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद विशेष वाहन से पार्थिव शरीर को परसिया रोड से उनके गृह नागरिया करबल ले जाया गया। नागरिया करबल से अंतिम यात्रा पातालेश्वर मोक्षधाम पहुंची। यहां रिश्तेदार ने बेटे को गोद में लेकर विधि-विधान से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई।

इससे पहले छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।



उन्होंने उनकी मां दुलारी से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें अपने बहादुर जवान और सेना पर गर्व है। जिन्होंने यह कारगरना हरकत की, उन्हें कीमत चुकाना पड़ेगी।

परिवार को एक करोड़ की मिलेगी सहायता राशि

सीएम डॉ. मोहन यादव ने एएसआई महेंद्र बागरी के परिवार को एक करोड़ की सहायता राशि देने की बात कही है। साथ ही परिवार के सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रस्ताव को मंजूरी के लिए चुनाव आयोग को भेजेगी। पति की शहादत पर पत्नी रीना पहाड़े ने कहा, मुझे गर्व है...। वे 5 साल के बेटे हार्दिक को गोद में लिए हुए थीं, इतना कहकर उनके आंसू नहीं रुके। सब इम्पेक्टर बहन गीता ने कहा, मुझे भाई पर गर्व है। पुंछ में 4 मई की शाम एयरफोर्स के जवानों पर आतंकी हमला हुआ था। 5 जवान घायल हुए थे। सभी को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 4 मई की देर रात विकी पहाड़े का निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को रविवार रात 7.30 बजे जम्मू एयरपोर्ट से विशेष विमान के जरिए नागपुर एयरपोर्ट लाया गया था।

सुप्रभात

हम सभी के बीच मौजूद रहता है

एक पुराना घर,

जो दिखता है अक्सर सपनों में,

जिसके सामने से गुजरने की

इच्छा होती है कई बार,

यह जानते हुए भी कि

अब वह मुहल्ला वैसा नहीं रहा

वहां अब वह घर भी नहीं है

मगर उस गली से गुजरने की

तमन्ना रहती है हर बार

हमारे बीच मौजूद रहता है

उस घर का

हर एक अक्स,

मौजूद रहता है कोई कोना

जहां बैठकर सीखी थी

जिन्दगी की बारहखड़ी,

हमारे बीच मौजूद रहती है

वहां लिखी कोई कविता।

घर बदलते रहते हैं,

बड़े और बड़े होते जाते हैं

घर के कोने बनते रहते हैं नित नए

कविताएं भी लिखी जाती हैं

कई - कई

मगर हर बार लौटकर

सामने आता है

वही घर,

वही कोना,

वही कविता।

- आशीष दशोत्तर

दिल्ली में खौफनाक वारदात, सरेआम चाकू से रेता गला, मरने के बाद भी छलनी करते रहे लाश

नई दिल्ली, एजेसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में रविवार शाम एक युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नाजिर इलियास उर्फ नन्ने के रूप में हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को नाजिर मृत हालत में मिला जहां से उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चों में रखवा दिया गया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों ने खून के धब्बों इत्यादि समेत मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय लोगों से पूछताछ की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है। शुरुआती जांच में पुलिस ने आपसी रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। यह भी पता चला है कि नाजिर व उसके तीन भाई इलाके के घोषित बंदमारा हैं। ऐसे में रंजिश हत्या की आशंका और बढ़ जाती है। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ करते हुए मामले की हर कोण से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नाजिर खुद अपने एक भाई की हत्या के मामले में गवाह भी था। मिली जानकारी के मुताबिक, नाजिर परिवार के साथ चौहान बांगर, अखाड़े वाली गली में रहता था। इसके परिवार में पांच भाइयों के अलावा अन्य सदस्य हैं। नाजिर के तीन भाई इलाके के घोषित बंदमारा हैं। रविवार शाम करीब 06.45 बजे नाजिर स्कूटी से अपने घर से करीब 250 मीटर दूर स्थित मंगला अस्पताल वाली गली में पहुंचा था।

केजरीवाल ने क्या आतंकी संगठन से लिए 16 मिलियन डॉलर

एलजी ने की एनआईए जांच की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल ने बैंन किए गए आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से पॉलिटेक्निकल फंडिंग ली है।

एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया की शिकायत आई थी, जिसमें कहा गया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी आतंकी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133 करोड़ रुपये लिए थे, ताकि देवेन्द्र पाल भुखर की रिहाई कराई जा सके। इस शिकायत के आधार पर एलजी ने यह सिफारिश की है।



एलजी ऑफिस की तरफ से गृह मंत्रालय के नाम लिखा गया लेटर... शिकायत में दावा- केजरीवाल ने 2014 से

2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 133 करोड़ रुपये लिए।

इस लेटर में लिखा है कि 1 मई को एलजी के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया ने एक शिकायत भेजी थी। इसमें सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर आम आदमी पार्टी के पूर्व कार्यकर्ता डॉ. मुनीष कुमार रायजादा के कुछ पोस्ट का प्रिंटआउट, एक लेटर और एक

पेनड्राइव भी थी। अपनी शिकायत में आशू मोंगिया ने पेनड्राइव के एक वीडियो का जिक्र किया था, जिसमें खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस का फाउंडर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने यह दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर यानी 133.60 करोड़ रुपये की फंडिंग ली है।

इसमें यह दावा भी किया गया था कि 2014 में केजरीवाल ने न्यूयॉर्क के गुरुद्वारा रिचमंड हिल में खालिस्तान समर्थक सिखों से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में केजरीवाल ने वादा किया था कि अगर आम आदमी पार्टी को खालिस्तानी समूहों से फंडिंग मिलती रहेगी तो वे देवेन्द्र पाल भुखर की रिहाई में मदद करेंगे।

कन्नियाकुमारी तट के पास 5 मेडिकल छात्र समुद्र में डूबे

कन्नियाकुमारी (एजेसी)। तमिलनाडु के कन्नियाकुमारी तट के पास 5 मेडिकल छात्र समुद्र में डूब गए। घटनाओं के एक दुखद मोड़ में, पांच मेडिकल छात्र, जो एक शादी में शामिल होने के लिए कन्नियाकुमारी गए थे, सोमवार को तमिलनाडु में शहर के तट के पास समुद्र में डूब गए। पीड़ित, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल थीं, अपने पाठ्यक्रम के अंतिम सप्ताह में थे।

बसमें घुसी स्कॉर्पियो, 5 की मौत

खेतड़ी (झुझुनू) (एजेसी)। झुझुनू के सिंघाना में बाइक को टकरा मारने के बाद बकाबू हुई स्कॉर्पियो मिनी बस से जा भिड़ी। जबरदस्त भिड़ंत में 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, बस में सवार 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा थली गांव के पास सोमवार सुबह 10.30 बजे हुआ। सिंघाना थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया- बाइक को टकरा मारने के बाद एसयूवी सामने से आ रही बस में घुस गई।

क्या चीन में फिर फैलने वाली है महामारी? अस्पतालों में आईसीयू बेड बढ़ाने की सिफारिश

कोविड से सबक लेते हुए चीन में एजेंसियों ने आईसीयू बेड बढ़ाने पर दिया जोर

शंघाई (एजेसी)। चीन में कोरोना महामारी ने हाल ही में भारी तबाही मचाई थी। देश में इस महामारी के कारण हजारों लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, अब चीन ने महामारी से हुई मौतों से सबक लिया है। चीन की कई एजेंसियों ने सोमवार को देश में आईसीयू बेडों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। एजेंसियों ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि देश में आईसीयू बेडों की संख्या साल 2025 तक प्रति 100,000 लोगों पर 15 और साल 2027 तक 18 तक होनी चाहिए।



चीन में कम है आईसीयू बेड

चीन ने हाल ही के समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के हिस्से के रूप में आईसीयू बेडों की संख्या को कुछ हद तक बढ़ाया है। हालांकि, देश की जनसंख्या को देखते हुए चीन को इस मामले में आलोचना का सामना करना पड़ता है। कई आलोचकों का कहना है कि देश की स्वास्थ्य प्रणाली अभी भी कम संसाधनों वाली है। चीन की कई एजेंसियों ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी किया। अपनी सिफारिश में एजेंसियों ने कहा कि 2025 के अंत तक देश में प्रति 100,000 लोगों पर आईसीयू बेडों की संख्या 15 और 2027 के अंत तक इसकी संख्या 18 होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग सहित कई एजेंसियों ने अपनी सिफारिश में अस्पताल के बिस्तरों की संख्या भी बढ़ाने पर जोर दिया। एजेंसी ने कहा कि साल 2025 तक आईसीयू में परिवर्तनीय क्षमता वाले बेडों की संख्या प्रति 100,000 लोगों पर 10 और 2027 तक 12 तक पहुंच जानी चाहिए।

तीसरा फेज, 11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग आज

- म.प्र.में मामा, महाराजा और राजा की किस्मत दांव पर; महाराष्ट्र में नन्दन-भोजाई मैदान में

नई दिल्ली (एजेसी)। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में आज मंगलवार (7 मई) को 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर वोटिंग होगी। पहले इस फेज में 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटें थीं, लेकिन 21 अप्रैल को सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रह होने और 8 कैडिडेट के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।



वहीं जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम की वजह से अनंतनाग-राजौरी सीट का चुनाव टाल दिया गया है। अब यहां छठे फेज में 25 मई को वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा मध्य प्रदेश की बैतूल सीट से बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद सेकेंड फेज (26 अप्रैल) को होने वाली वोटिंग 7 मई को शिफ्ट कर दी गई। मध्य प्रदेश की तीन सीटों- विदिशा से शिवराज सिंह चौहान (मामा), गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया (महाराजा) और राजगढ़ से दिग्विजय सिंह (राजा) की किस्मत दांव पर है।

इसके अलावा महाराष्ट्र की अमरावती सीट पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और डिंडी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार यानी नन्दन-भोजाई के बीच सीधा मुकाबला है।

एमपी में चुनावी रैली में राहुल गांधी बोले-

भाजपा को 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी

- यह संविधान को बचाने का चुनाव, हम लोगों के अधिकार नहीं छीनने देंगे

आलीराजपुर/खरगोन (एजेसी)। राहुल गांधी ने कहा कि हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे ले जाएंगे। कोर्ट ने 50 प्रतिशत का लिमिट लगा रखा है, उसे हटा देंगे। राहुल गांधी सोमवार को मध्यप्रदेश के आलीराजपुर के जोबट और खरगोन के सेगांव में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। दोनों ही सभाओं में उन्होंने ये बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस संविधान खत्म करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है। लेकिन 400 सीट तो छोड़िए, इन्हें 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

हम आरक्षण को बढ़ा देंगे, 50 प्रतिशत से ज्यादा कर देंगे- राहुल गांधी ने कहा- मोदी जी आपका आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। उनके नेताओं ने साफ कहा है कि अगर हमारी सरकार आएगी। हम आदिवासियों से, दलितों से, पिछड़े वर्ग से आरक्षण छीन लेंगे, आरक्षण को खत्म कर देंगे। मैं आपको आज यहां ये बताने आया हूँ, वो छीनने की बात कर रहे हैं। हम आरक्षण को बढ़ा देंगे। 50 प्रतिशत से ज्यादा कर देंगे। आज 50 प्रतिशत का लिमिट है। इस लिमिट को हम परे करके, 50 प्रतिशत लिमिट को रद्द करके, हम आपका रिजर्वेशन, गरीबों का रिजर्वेशन बढ़ाएंगे।



संविधान खत्म हुआ तो आपके अधिकार खत्म हो जाएंगे- राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को बदलना चाहते हैं। अगर संविधान खत्म हो गया तो जो अधिकार आपको मिले हैं, वे खत्म हो जाएंगे।

म.प्र.जबलपुर में ट्रैक्टर पलटने से पांच लोगों की मौत

सीएम मोहन यादव ने किया सहायता राशि का ऐलान

जबलपुर (एजेसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोमवार को ट्रैक्टर पलटने से चार बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, दो घायल हुए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हृदय से दुख जताते हुए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक चारगवा थाना क्षेत्र के तिनेटा में धर्मद ठाकुर की बहन की शादी थी और वह ट्रैक्टर से सामान लेने जा रहा था।

इजरायल ने राफा पर शुरू किया हवाई हमला, हमारा ने बताया खतरनाक, बोला- वार्ता नहीं करेंगे



नेल अवीव (एजेसी)। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी के राफा पर हवाई हमला शुरू कर दिया है। राफा के कई इलाकों में विस्फोट की आवाजें सुनी गई हैं। हमले से पहले इजरायली सेना ने फिलिस्तीनियों को राफा को खाली करने को कहा था। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा था कि वह राफा से 1 लाख लोगों को निकालने के लिए तैयार है। इजरायली सेना के आदेश के बाद बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों को, अपना घर-बार छोड़कर जाते हुए भी देखा गया। हालांकि, गाजा पर शासन चला रहे हमारा ने इस हमले को लेकर इजरायल को चेतावनी दी है। हमारा ने कहा है कि इजरायली सेना का राफा पर हमला और वहां से फिलिस्तीनियों को निकालना तनाव में एक खतरनाक वृद्धि है। यह पहले से ही तनावपूर्ण बंधक वार्ता को बाधित कर सकता है।

हमारा बोला- बंधक रिहाई वार्ता नहीं करेंगे

हमारा के प्रमुख वार्ताकारों में शामिल सामी अबू जुहरी ने अमेरिका के साथ इजरायल के गठबंधन का जिक्र करते हुए बताया, कब्जे के साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन भी इस आतंकवाद की जिम्मेदारी लेता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह खतरनाक वृद्धि है जिसके परिणाम होंगे। वास्तव में बंधक रिहाई के एक्स पर पोस्ट किया कि हमारा ने चेतावनी दी है कि बंधक वार्ता को निलंबित किया जा सकता है। मिस्र लगातार, कतर के साथ मिलकर बाकी 132 बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत, की मध्यस्थता कर रहा है, लेकिन इसका कोई परिणाम नहीं निकला है।

मंत्री पीएस के नौकर के घर मिला 25 करोड़ कैश

- ईडी ने झारखंड में 9 ठिकानों पर छापा मारा, पीएस के करीबी ठेकेदार के घर भी 3 करोड़ बरामद

ग्रामीण विकास मंत्री की होगी गिरफ्तारी!



रांची (एजेसी)। झारखंड में ईडी की छापेमारी के बीच मंत्री आलमगीर आलम ने भी सफाई दी। आलमगीर आलम का कहना कि संजीव लाल पहले भी दो मंत्रियों के पीएस रह चुके हैं। वहीं करोड़ों रुपये कैश बरामदगी के बाद अब आलमगीर आलम की गिरफ्तारी की भी चर्चा तेज हो गई है।

झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने 9 जगह छापा मारा। ईडी को अब तक 28 करोड़ से ज्यादा कैश मिला है। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पर्सनल सेक्रेटरी (पीएस) संजीव लाल के नौकर जहांगीर, पीएस के करीबी ठेकेदार मुन्ना सिंह, रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट के इंजीनियर विकास कुमार और कुलदीप मिंज के घर रैड डाली गई। इसके अलावा 3 और ठिकानों पर छापा मारा गया। पीएस संजीव के नौकर जहांगीर के घर 25 करोड़ और करीबी मुन्ना के यहां 3 करोड़ से ज्यादा का कैश मिला है। ईडी की टीम ने नोट गिनने की मशीनों और कैश बैं नुलाई है। अबतक नोट गिनने की चार मशीनें घर के अंदर गई हैं। सूत्र बताते हैं कि पैसे इतने हैं कि गिनते गिनते मशीन गर्म हो रही है। दोपहर बाद एक और गाड़ी मशीन लेकर पहुंची है।

चुनाव जीतीं तो फिल्म इंडस्ट्री छोड़ देंगी कंगना रनोट

मंडी (एजेसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट लोकसभा चुनाव की टिकट मिलने के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब कंगना ने खुद ये ऐलान कर दिया है कि अगर वो मंडी से चुनाव जीत जाती हैं तो

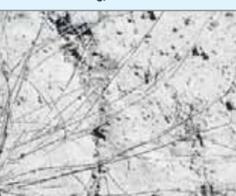


फिल्मों में काम करना हमेशा के लिए बंद कर देंगी। हाल ही में कंगना रनोट एक चुनावी रैली का हिस्सा बनी थीं। रैली के बाद कंगना रनोट ने आज तक के सवाल पर कहा है, मैं फिल्मों में भी पक जाती हूँ, मैं रोल भी करती हूँ और फिल्मों का निर्देशन भी करती हूँ। अगर मुझे राजनीति में संभावना दिखती है कि लोग मुझे जुड़ रहे हैं तो फिर मैं राजनीति ही करूंगी।

बाड़मेर में अचानक धंस गई जमीन

- 2 किमी लंबे इलाके में आई दरार, छोटे-बड़े गड़बड़े हुए

बाड़मेर (एजेसी)। बीकानेर के बाद अब बाड़मेर में करीब 2 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में जमीन धंसने से दरार आ गई है। मामला जिले के नागाणा में वरुड ऑयल प्रोडक्शन इलाके का है। यहां मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल के वेल पैड (तेल के कुएं) नंबर 3 से 7 के बीच धंसी जमीन और दरार देखकर लोग हैरान रह गए। जिला प्रशासन, कूड ऑयल कंपनी केयम



ऑयल एंड गैस, वेदांता लिमिटेड और पुलिस की टीमों मौके पर पहुंचीं। जिला कलेक्टर निशांत जैन का कहना है कि टीमों मौके पर जांच कर रही हैं। जानकारी के अनुसार नागाणा इलाके में कूड ऑयल प्रोडक्शन का काम 15 साल से चल रहा है। कंपनी के अलग-अलग वेल पैड बने हुए हैं। सोमवार सुबह ग्रामीण वेल पैड नंबर 3 के नजदीक से निकल रहे थे। इस दौरान उन्होंने उसके पास धंसी जमीन, गड़बड़े और दरार देखने पर प्रशासन को सूचना दी।

वीडी बोले-बचे हुए कांग्रेस केडिडेट मैदान छोड़ सकते हैं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा-कांग्रेस में कुछ बचा नहीं, इसलिए दो-तीन उम्मीदवार भाग गए

भोपाल (नप्र)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेरा के कांग्रेस छोड़ने और छिद्रवाड़ा में मतदान के बाद से ही कमलनाथ, नकुल नाथ के नजर ना आने को लेकर सवाल उठाए। वीडी शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस को कमलनाथ के खिलाफ सच वरंट जारी करना चाहिए। वीडी शर्मा ने अभी कांग्रेस के दो-तीन उम्मीदवारों ने मैदान छोड़ दिए अगले चरणों में हो सकता है कि कुछ और उम्मीदवार मैदान छोड़ दें। जीतू पटवारी ने इमरती देवी पर टिप्पणी की, और अब कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेरा ने ऐसे ही आरोप लगाकर कांग्रेस छोड़ी है, आप क्या कहेंगे?



वीडी शर्मा ने कहा कांग्रेस मूल चरित्र ही यही है। और इनका इतिहास भी यही कहता है। कुछ नेता तो ऐसे हैं कि इन्हीं बातों के कारण से वो नेता बने। बहन राधिका खेड़ा के साथ कांग्रेस के कार्यालय में छेड़खानी होती है। ये दुर्भाग्य जनक घटना इसलिए होती है क्योंकि वो बहन राम लला के दर्शन करने गई थीं। उसके बाद उसे टारगेट बनाया जाता है। उसके साथ कार्यालय में छेड़खानी होती है। छह दिन तक वो कांग्रेस की सारी लीडरशिप से शिकायत करती हैं। लेकिन ना प्रियंका गांधी सुनती हैं ना सोनिया गांधी सुनती हैं। राहुल गांधी को तो सुनाई देता ही नहीं। इसलिए उस बहन ने कांग्रेस छोड़कर देश को बताया है कि आज कांग्रेस के हाल क्या हैं? बहन आप चिंता मत करिए, ये देश और देश की मातृशक्ति आपके साथ है। इसका जवाब कांग्रेस को इस चुनाव में जनता तो दे ही रही है। और मातृशक्ति ने तो तय कर लिया है कि जीतू पटवारी जैसे कांग्रेस के अध्यक्ष को बहुत रस चाहिए। तो इस बार तो ये तय हो गया है कि इस बार इतना रस मिलेगा मंत्र में वोट के माध्यम से कि राहुल गांधी और जीतू पटवारी बेस्वाद हो जाएंगे।

भोपाल में बेरोजगारों को टगले वाले पर एफआईआर

कंसल्टेंसी ऑफिस का संचालक हे आरोपी

मल्टी नेशनल कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर की जालसाजी

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में नौकरी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। कोहेफिजा पुलिस ने जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने बेरोजगारों को मल्टी नेशनल कंपनियों में नौकरी दिलाने का कहकर लाखों रुपए ठग लिए, लेकिन नौकरी नहीं लगवाई। पीड़ित बेरोजगार उसे लेकर थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।



थाने के सामने चलता था ठगी का अड़्डा

पुलिस के मुताबिक तलैया इलाके में रहने वाले कबीर अहमद (35) प्रायवेट काम करते हैं। पिछले साल उनकी मुलाकात सैफिया कालेज रोड पर रहने वाले उमर खान से हुई थी। वह कोहए फिजा थाने के सामने नारदा कामलेक्स में कंसल्टेंसी का ऑफिस चलाता था। उमर ने कबीर को बताया कि वह अमेजन, फ्लिपकार्ड और वोडाफोन जैसी मल्टी नेशनल कंपनियों में नौकरी लगवाने का काम करता है।

कंसल्टेंसी फीस के नाम पर हड़पता था रकम

अक्टूबर 2023 में कबीर ने नौकरी के लिए उसके पास रजिस्ट्रेशन करवाया और बताई गई फीस जमा कर दी। कई महीनों तक जब नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, इस पर उमर टालमटोल करने लगा। इस दौरान कबीर को पता चला कि उमर उनके अलावा चालीस-पचास अन्य लोगों से पांच से छह लाख रुपये नौकरी लगवाने के नाम पर ले चुका है।

बड़ सकती है पीड़ितों की संख्या

रिववार को कबीर और अन्य पीड़ितों ने उमर खान को फकड़ लिया और उसे लेकर कोहेफिजा थाने पहुंचे। यहां देर दार को कबीर की रिपोर्ट पर पुलिस ने उमर खान के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि बेरोजगार पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है।

भोपाल में सगाई के दो महीने बाद युवक की मौत

ट्रक और एम्बुलेंस की आमने-सामने से हुई थी टक्कर, इलाज के दौरान तोड़ा दम

भोपाल (नप्र)। बैरसिया इलाके में एम्बुलेंस को ट्रक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल चालक की इलाज के दौरान रिववार की देर रात मौत हो गई। मृतक युवक को दो महीने पहले ही सगाई हुई थी। नवंबर महीने में उसकी शादी होना थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक ऋषि कुशवाह (25) पुत्र स्वर्गीय राज कुशवाह निवासी नारीयलखेड़ा पुलिस चौकी के पास एम्बुलेंस चलाने का काम करता था। 30 अप्रैल की दोपहर को बैरसिया में पेशेंट को छोड़कर भोपाल लौट रहा था। रास्ते में तरावली जोड़ के पास उसे सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

हनीट्रैप केस से जुड़े मानव तस्करी मामले में 3 आरोपी बरी, भोपाल कोर्ट ने सुनाया फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनीट्रैप केस में मानव तस्करी के मामले में सोमवार को 3 आरोपियों को बरी कर दिया गया। फैसला भोपाल की एडीजे पल्लवी द्विवेदी की कोर्ट ने सुनाया है। साल 2019 के इस मामले का खुलासा नगर निगम इंटीर के तत्कालीन चीफ इंजीनियर हर्षजन सिंह की शिकायत के बाद हुआ था। उन्होंने इंटीर के पलासिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि उन्हें कुछ युवतियों ने अश्लील वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल किया, और 3 करोड़ रुपए की मांग की है। इसके बाद पुलिस ने 6 महिलाओं समेत आठ को आरोपी बनाया था।

आज वोट डाला तो जीत सकते हैं डायमंड रिंग

भोपाल में पहली बार वोट डालने पर गिफ्ट भी मिलेगा; 3 ड्रा होंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल लोकसभा सीट पर मंगलवार सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू होगी, जो शाम 6 बजे तक चलेगी। चुनाव में पहली बार वोट डालने पर मतदाता गिफ्ट भी जीत सकते हैं। पूरे दिन बूथ पर ही 3 ड्रा होंगे। वहीं, वोटिंग के बाद बंपर ड्रा भी होगा, जिसमें डायमंड रिंग जैसे कई गिफ्ट वोटर्स को मिल सकते हैं।

वोटिंग कराने के लिए सोमवार को मतदान दल कुल 2034 पोलिंग बूथ की ओर रवाना हो चुके हैं। इनके साथ हर बूथ पर एक टीम ऐसी भी रहेगी, जो सुबह 10 बजे, दोपहर 3 बजे और शाम 6 बजे ड्रा भी खोलेंगी। इस टीम को सोमवार को इस बात की ट्रेनिंग दी गई कि वे मतदाताओं को ड्रा में कैसे शामिल करेंगे? वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए सबकुछ-वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह कवायद की गई है। जिसमें डायमंड रिंग के अलावा फ्रीज, वॉशिंग मशीन, कूलर, एसी, म्यूजिक सिस्टम, मिक्सर, टीवी, गैस चूल्हा, कुकर, माइक्रो वेव, डायनिंग टेबल, लैपटॉप जैसे गिफ्ट भी हैं।

होटल में मिलेगा 10 प्रतिशत का डिस्काउंट-शहर के व्यापारिक संगठनों के सहयोग से जिला प्रशासन यह कवायद कर रहा है। कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह



ने बताया कि मतदान वाले दिन 3 ड्रा होंगे। वहीं, बाद में बंपर ड्रा भी खोला जाएगा। जिसमें वे वोटर्स जो ड्रा में शामिल होंगे, उन्हें शामिल किया जाएगा। भोपाल चेंबर

ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने कहा कि मतदान करने पर 10 प्रतिशत का डिस्काउंट भी दिया जाएगा।

ऐसे हो सकेंगे शामिल

हर बूथ पर लकी ड्रा का एक बॉक्स रहेगा। मौके पर ही मतदाता को पत्ती मिलेगी, जो वोट डालने के बाद नाम, मोबाइल नंबर और मतदान केंद्र नंबर लिखकर बॉक्स में डालनी होगी। यदि कोई मतदाता वोट डालने के बाद घर चला भी जाता है तो उसे मोबाइल पर कॉल करके बुलाया जाएगा। इसमें चेरलू चीजें शामिल रहेंगी।

दूसरा ड्रा मतदान के बाद होगा

दूसरा ड्रा मतदान के बाद होगा। इसमें उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने मतदान वाले ड्रा में हिस्सा लिया हो। इस ड्रा के जरिए ही बड़े इनाम दिए जाएंगे।

इसलिए ड्रा सिस्टम रहेगा

भोपाल लोकसभा सीट पर पिछले चुनाव में करीब 64 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस बार यह 70 से 75 प्रतिशत तक करने का टारगेट है।

भोपाल गैसकांड वाले कारखाने में लगी आग

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से उठी लपटें

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सोमवार को गैस कांड वाले यूनियन कार्बाइड कारखाने में आग लग गई। दोपहर करीब 3.30 बजे कारखाने में प्लास्टिक के टैंक में आग लगी। राहगीर की सूचना पर मौके पर पहुंची नगर निगम की फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशकत से इस पर काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शी बोलते हैं- टैंक में लपटें उठीं दिखाई दीं- यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर के सामने स्थित जेपी नगर की गली नंबर 10 में रहने वाले देवेन्द्र कांसोटे ने बताया कि वह कारखाने के सामने से गुजर रहा था।



तभी फैक्ट्री परिसर में धुंआ उठता दिखाई दिया। इस पर यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की बाउंड्रीवाल के नजदीक जाकर देखा तो अंदर एक टैंक से आग की लपटें उठीं दिखाई दीं।

उसने तत्काल नगर निगम के फायर कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी। करीब 10 मिनट बाद पहुंची दमकलों ने कारखाना परिसर में लगी आग को 20 मिनट की मशकत के बाद काबू कर लिया। आग के नियंत्रित हो जाने के बाद जब फायर अमले ने आग के कारणों की तफ्तीश की, तो आग प्लास्टिक की टैंक में लगने का खुलासा हुआ।

भोपाल में ही नूर महल गली में ट्रांसफॉर्मर जला- भोपाल में ही आग लगने की दूसरी घटना नूर महल गली की है। यहां सोमवार दोपहर कबाड़ में लगी आग की लपटों से बिजली का ट्रांसफॉर्मर जल गया। फतेहगढ़ फायर स्टेशन के फायर कर्मी शाहनवाज अहमद ने बताया कि आग पर काबू पा लिया है।

भोपाल में घूमता दिखा 6 माह से फरार डॉक्टर

बच्चे के इलाज के नाम पर आयुष्मान से निकाले 3.35 लाख; पिता से वसूला बिल



इस डॉक्टर के कारण मेरा बेटा इस दुनिया में नहीं रहा। मैं आरोपी डॉक्टर को सलाखों के पीछे पहुंचाने तक लड़ाई लड़ता रहूँगा। मैंने पुलिस को फरारी के दौरान डॉक्टर को अस्पताल में आते और जाते समय के कई वीडियो सहित प्रमाण दिए हैं। इसके बाद भी उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा रही है।

इस बच्चे के इलाज के नाम पर फर्जी तरीके से रकम हड़पने का आरोप डॉक्टर पर है। बाद में बच्चे की उपचार के दौरान मौत भी हो गई थी।

तीन महीने तक चला था इलाज- टीला जमालपुरा की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले खालिद अली पुत्र जाकिर अली (26) ने अपने तीन महीने के बेटे को इलाज के लिए जनवरी 2021 में फतेहगढ़ स्थित मैक्स चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती कराया था। खालिद अली के पास आयुष्मान कार्ड था इसलिए उन्होंने अस्पताल में बताया कि इस कार्ड से ही इलाज की जाए। इस पर अस्पताल की ओर से कहा है कि अभी हमारा अस्पताल से आयुष्मान कार्ड के जरिए इलाज नहीं हो रहा है। यह कहने के बाद भी उन्होंने खालिद अली से आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज आयुष्मान कार्ड की जानकारी जमा करवाने को कहा। खालिद ने वह दस्तावेज जमा करवा दिए। अस्पताल में इलाज के बाद उन्होंने 37 हजार रुपए का पैमेंट करवा दिया। यह वो अमाउंट है जिसके बिल अस्पताल की ओर से दिए गए। फरियादी का कहना है कि लाखों रुपए के उपचार और दवाओं के बिल नहीं दिए गए थे।

92 वर्षीय जगदीश कौशल आज भोपाल में डालेंगे वोट

भोपाल। जनसंपर्क विभाग के पूर्व अपर संचालक जगदीश कौशल 7 मई को भोपाल में मतदान करेंगे। श्री कौशल जनसंपर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अधिकारी से पदोन्नत होकर अपर संचालक के पद पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के लिए छायांकन कार्य भी किया है। वे एक अच्छे विजुलाइजर भी हैं। आज भी सक्रिय हैं। कौशल जी साठ के दशक से मतदान करते आ रहे हैं।

ऐसे हुआ खुलासा

कुछ दिन बाद खालिद को आयुष्मान योजना की ओर से वैरिफिकेशन के लिए कॉल आया। उनसे पूछा गया कि बच्चे का इलाज चल रहा है कि नहीं। तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। इस बात की जानकारी उन्होंने कॉल करने वाले को दी। दूसरी ओर से पूछा गया कि हॉस्पिटल वालों ने आपसे पैसा लिया या नहीं। इस पर उन्होंने पूरा बिल देने की बात कही। तब बताया गया कि अस्पताल की ओर से आयुष्मान कार्ड के खतों से भी पैसे निकाले गए हैं।

कोर्ट में लगाया था परिवार

धोखाधड़ी का पता चलते ही खालिद ने एडवोकेट शारिक चौधरी के माध्यम से धोखाधड़ी का परिवार कोर्ट में लगाया था। इस पर सुनवाई करने के बाद कोर्ट ने पुलिस को एफआईआर करने के निर्देश दिए। पुलिस ने अस्पताल के संचालक डॉक्टर अल्ताफ मसूद के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी

तलैया थाने के प्रभारी सीबी राठौर ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार करेंगे। मामले की विवेचना जारी है।



नेपाल को बीजेपी का बूथ-मैनेजमेंट पसंद आया

भोपाल (नप्र)। बूथ मैनेजमेंट में दोनों देश लगभग एक समान हैं, लेकिन वह बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं, यहां ईवीएम से। ईवीएम के जरिए वोटिंग काफी आसान होती है, चुनाव फेयर होते हैं। हम भी कोशिश करेंगे कि वहां इसे लागू कर सकें। इससे चुनाव प्रभावित नहीं होता।

ये कहना है एरियल बुलश्टेइन का। वे इजराइल की लिक्वुड पार्टी के नेता हैं। एरियल बीजेपी के बुलावे पर भारत का लोकसभा चुनाव देखने आए हैं। दरअसल, बीजेपी ने लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले दुनिया के देशों के 25 राजनीतिक दलों को अपना चुनाव प्रचार दिखाने और रणनीति समझाने के लिए न्योता भेजा था।

ये सभी लोग बीजेपी को नो बीजेपी अभियान के तहत भारत आए हैं। 6 देशों के सतारूढ़ और विपक्षी दलों के नेताओं ने मध्यप्रदेश में चुनावों को नजदीक से देखा। इन्होंने लोकसभा क्षेत्रों का दौरा भी किया और रैलियों में भी हिस्सा लिया।

विदेशी प्रतिनिधियों ने किया एमपी, छत्तीसगढ़ और गुजरात का दौरा- 6 देशों के सतारूढ़ और विपक्षी दलों के नेताओं ने तीन राज्यों का दौरा किया। मध्यप्रदेश में 6 देशों का प्रतिनिधि मंडल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ सागर लोकसभा में आने वाली सीट रिसीरोज पहुंचा।

सागर लोकसभा की सीट का चुनाव मैनेजमेंट देखने के बाद ये सभी लोग विदेशी होते हुए भोपाल पहुंचे। यहां इन्होंने भाजपा प्रत्याशी अलोक शर्मा का रोड शो भी दिखाया गया। इस दौरान जेपी नड्डा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ वॉर रूम भी पहुंचे। तीनों राज्यों में जो दल गए उनके साथ विदेशों में रहने वाले कार्यकर्ता भी

शामिल हुए।

भाजपा के विदेश विभाग के सह-संयोजक डॉ. सुधांशु गुप्ता के मुताबिक भारत दौर पर अविच पॉलर ऑफ़ीर (डायरेक्टर, फरिन अफेयर्स, नेशनल रिजिस्ट्रेंस पार्टी, युगांडा), उदय शुमशेर जेबी राणा (फेडरल पार्लियामेंट सदस्य और केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य, नेपाल), डॉ. जयकांत राउत (अध्यक्ष, नेशनल काँग्रेस ऑफ जनमत पार्टी, नेपाल)

काकुलंडला लियानांग सुमुदु दिलंगा (अध्यक्ष, यंग प्रोफेशनल आर्गनाइजेशन, युएनपी श्रीलंका), एरियल बुलश्टेइन (प्रभारी, फरिन अफेयर्स, लिक्वुड पार्टी, इजराइल), विजय मखान (इंटरनेशनल रिलेशन्स, मॉरिशियन मिलिटेंट मूवमेंट, मॉरिशस), त्रान थान हुआंग (पॉलिटिकल काँग्रेस, कम्प्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम), हो थी होंग हान (प्रथम सचिव, कम्प्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम) शामिल हुए।

एरियल बोले- भारत और इजराइल के वोटिंग पेटर्न में अंतर- इजराइल की लिक्वुड

पार्टी के नेता एरियल बुलश्टेइन कहते हैं, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इजराइल और भारत के वोटिंग पेटर्न में भी काफी अंतर है। हमारे देश में करीब 10 मिलियन वोटर्स ही वोट करते हैं। दोनों देशों में एजुकेशन, डिजिटल डिवाइड, इनकम रूप जैसे अहम अंतर भी हैं।

दोनों ही देशों के मतदाताओं के लिए चुनावी मुद्दों पर वोटिंग की सूचना भी बहुत अलग है। जहां तक भारत की बात है तो यहां इलेक्शन कैम्पेन पूरे विश्व में सबसे बड़ है। भाजपा के इलेक्शन कैम्पेन को देखकर मैंने महसूस किया कि भाजपा ग्रास रूट तक लोगों के बीच गई है।

इससे मतदाताओं के बीच उसकी पकड़ मजबूत हुई है। वे कहते हैं कि बूथ मैनेजमेंट में दोनों ही देश लगभग एक समान हैं, लेकिन हमारे यहां बैलेट पेपर का यूज होता तो भारत में ईवीएम का। ईवीएम के जरिए वोटिंग काफी आसान होती है, चुनाव फेयर होते हैं। हम भी कोशिश करेंगे कि वहां इसे लागू कर सकें। इससे चुनाव प्रभावित नहीं होता।

बीजेपी नेता बोले-पोलिंग पार्टी, पुलिस सपोर्ट करेगी

आगर में कहा- इन्हें ऊपर से निर्देश; कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग

आगर मालवा (नप्र)। राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी के एक नेता का वीडियो सामने आया है। जिसमें वो कह रहे हैं कि ऐसे बूथ तय करो जहां बैठा कांग्रेस का व्यक्ति आपके पक्ष में रहे। इस काम में पोलिंग पार्टी से लेकर पुलिस तक आपका सहयोग करेगी। सभी को ऊपर से निर्देश है। बता दें कि राजगढ़ लोकसभा सीट पर 7 मई को वोटिंग होना है।

वे वीडियो आगर जिले के सुसनेर विधानसभा क्षेत्र के नलखेड़ा का बताया जा रहा है। जिसमें भाजपा के जिला प्रभारी सोनू गेहलोत कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं।



वे कह रहे हैं- मुझे प्रसन्नता तब होगी, जब आपके 90 बूथ में से 30 बूथ ऐसे निकले परसो कि पोलिंग बूथ पर कांग्रेस का व्यक्ति बैठे तो सही, लेकिन वो पूरी तरह से आपके पक्ष में रहे। कौन-कौन कर सकता है ऐसे? पोलिंग पार्टी आपको सपोर्ट करेगी। पुलिस आपको सहयोग करने वाली है। कोई समस्या नहीं सबको निर्देश कर रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा- भाजपा देशद्रोह कर रही- बीजेपी नेता के इस वीडियो पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता गुड्डु लाला ने कहा कि भाजपा देशद्रोह कर रही है। हम सुसनेर विधायक भैरोसिंह परिहार के साथ थाने में और निर्वाचन आयोग को शिकायत करने जा रहे हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से किया सवाल- मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने पूछा- चुनाव आयोग और भाजपा के बीच ऐसा कोई अनुबंध हुआ है क्या? यदि नहीं तो इस स्पष्ट प्रमाण के बाद आप कोई कार्रवाई कर चुनाव आयोग की निष्पक्षता को प्रमाणित करेंगे क्या?

संपादकीय

प्रदेश में बेखौफ रेत माफिया

तमाम दावों औ कोशिशों के बाद भी मध्यप्रदेश में रेत और खनन माफिया के हासले बुलंद होते जा रहे हैं। वो अवैध खनन रोकने वाले सरकारी कर्मचारियों की जान लेने से भी नहीं हिचक रहे। ताजा घटना शहडोल जिले में हुई, जिसमें अवैध रेत से भरी ट्रॉली को रोकने पर ट्रैक्टर चालक ने पुलिस के एएसआई को कुचल कर मार डाला। जिले के ब्यौहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेन्द्र बागरी एक आभारधिक मामले में फरार स्थायी वारंटो को पकड़ने बड़ौली गांव गए थे। एएसआई गया प्रसाद कांजोरे और आरक्षक संजय दुबे उनके साथ थे। इसी दौरान खडौली गांव के पास सामने से ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। यह ट्रैक्टर राज समाधि नदी से अवैध तरीके से रेत खनन करके ला रहा था। बागरी ने उसे रोकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर उन्हें कुचलता हुआ ट्रैक्टर-ट्रॉली को आगे बढ़ा ले गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जमदौड़ी गांव के रहने वाले ट्रैक्टर ड्राइवर राज रावत उर्फ विजय और उसके साथी आशुतोष को रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी एएसआई को कुचलने के बाद भागने की फिराक में थे। वहीं, ट्रैक्टर मालिक सुरेंद्र सिंह की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। उस पर 30 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। सुरेंद्र अगस्त में रेत चोरी के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। साथ ही मुख्य आरोपी का घर भी बुलडोजर से ढहा दिया गया है। सभी आरोपियों का आभारधिक रिपोर्ट है। उधर एएसआई के शव के साथ ही अमानवीय व्यवहार की खबरें मिली हैं। शव का जमीन पर रखकर पोस्टमार्टम किया गया और उसकी पत्नी को एंबुलेंस में पति के अंतिम दर्शन भी नहीं करने दिए गए। इसके पहले रेत माफिया कुछदिन पहले एक पटवारी की भी जान ले चुका है। लेकिन रेत माफिया के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि अधिकांश जगहों पर रेत माफिया को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है। कई जगह सरकारी अमला भी मिला हुआ है। ऐसे में रेत माफिया पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। मप्र में तो रेत माफिया पर लगातम कसने के चक्र में एक आईपीएस अधिकारी की मौत भी हो चुकी है। शहडोल वाले मामले में भी प्रशासन ने मुख्य आरोपी का घर बुलडोजर से ढहाकर इतिश्री कर ली। आगे क्या हुआ, किसी को नहीं मालूम। नदियों में अवैध रेत खनन से पर्यावरण को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। सरकार इससे मिलने वाली रॉयल्टी पर ही अपनी पीठ थपथपा रही है। लेकिन हकीकत यह है कि रेत माफिया ने प्रदेश की नदियों को खोखला कर दिया है। नर्मदा नदी से लेकर बेतवा नदी, सिंध नदी सहित अनेक नदियां ऐसी हैं, जिन पर पोकलेन मशीन नजर आना आम बात है। कई माफिया तो ऐसे हैं, जो पनडुब्बी तक का रेत खनन के लिए खतरा लेते हैं। इन पर कार्रवाई इसलिए भी नहीं होती, क्योंकि इन इलाकों में जो अधिकारी पदस्थ किए जाते हैं, वो भी राजनेताओं की सिफारिश पर ही तैनात होते हैं। सरकार रेत खनन की नीति बदलती रहती है ताकि इससे सरकारी खजाने को ज्यादा से ज्यादा आय हो। लेकिन वास्तव में राज्य के नदी नालों से मनमर्जी और बिना किसी अनुमति के थोक में रेत निकाली जा रही है और दूसरे राज्यों को भेजी जा रही है। लेकिन अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है। अगर समय रहते रेत माफिया पर अंकुश न लगाया गया तो राज्य में माफिया राज कायम होते देर नहीं लगींगी। सरकार को इसे सख्ती के साथ रोकना चाहिए ताकि भविष्य में शहडोल जैसे हादसे न हों।

मध्यप्रदेश : आज सात मई को नौ का फैसला !

चुनाव-चौबीस

डॉ. सुधीर सक्सेना

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)



1 मई को गैरिकवसना संन्यासिनी उमाश्री भारती शिवपुरी में थीं। गुना से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रचार के वास्ते। कहा तो उन्होंने यही था कि चुनाव 24 में वह प्रचार से दूर रहेंगी। अपने इस कौल को उन्होंने लगभग आखिरी चक्र तक निभाया। 24 अप्रैल को अपने गृहग्राम डूंडा आई। वोट डाला और चली गईं। उल्लेखनीय है कि ज्योतिरादित्य की सगी बुआ श्रीमती यशोधरा राजे भतीजे के चुनाव प्रचार में फटकी तक नहीं, जबकि ज्योतिरादित्य की पत्नी और बेटे-बहू ने प्रचार में खूब शिरकत की।

फिर क्या वजह है कि उमाश्री ने अपना वचन भंग किया? ज्योतिरादित्य और उमाश्री में बुआ-भतीजे का रिश्ता है। उमाश्री की राजनीतिक दीक्षा और करियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया यानी ज्योतिरादित्य की दादी की सर्वप्रथम भूमिका रही है। उमाश्री का आना क्या सिर्फ इसी रिश्ते का निर्वाह था या उन्हें फिर ऐसी कोई भनक लगी थी कि भतीजे की जीत की संभावना को गारंटी में बदलने वह पहाड़ों से भागी-भागी चंबल के खादर में चली आई? कहीं ऐसा तो नहीं है कि दुश्मिताग्रस्त ज्योतिरादित्य ने बुआ को संदेशा भेजा हो? गौरतलब है कि बीजेपी के सितारा-लिस्ट में इस बार उमाश्री को स्थान नहीं मिल पाया है।

बहरहाल, उमाश्री के रोड शो और सभा के अधिप्राय को बूझा जा सकता है। ग्वालियर-चंबल संभाग में हर एक सीट पर मुकाबला कड़ा है। यही वजह है कि मोदी और शाह आये। बहन मायावती आई। 2 मई को प्रियंका मुरैना आईं। सीएम डॉ. मोहन यादव संभाग में फिर-फिर आये। कल के केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में मध्यप्रदेश विधानसभा के स्पीकर नरेन्द्रसिंह तोमर ने तो भोपाल की प्रोफेसर कॉलोनी की सरकारी कोठी छोड़कर मुरैना में डेरा ही डाल दिया। 28-01 की अंक तालिका और मिशन 29 समूची भगवा क्रिगंड के जेहन में है। किला दरकने का डर सबको सता रहा है। परसलियों में दिल धाड़-धाड़ बज रहा है। मध्यप्रदेश में सात मई को नौ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। वाकओवर कहीं भी नहीं है। अधिकांशतः मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है, मगर कुछ ठौर बहुजन समाज पार्टी ने पेंच फंसा रखा है। सात मई को जिन क्षेत्रों में मतदान होगा वे हैं -

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, गुना, राजगढ़, भोपाल, विदिशा, बैतुल और सागर। यह सभी सीटें बड़ा मायना रखती हैं। पिछले चुनाव में हर से सतक सिंधिया फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। उनका मुकाबला बीजेपी से कांग्रेस में आये राव यादवेन्द्र सिंह से है। करीब सवा दो लाख यादव और करीब डेढ़ लाख मुस्लिम यादवेन्द्र की ताकत है। करीब तीन लाख कुशवाहों और डेढ़ लाख किरार-धाकड़ों को बीजेपी का वोट बैंक माना जा रहा है। उमाश्री को मनुहार से लोधा और लोधा बीजेपी को वोट दे सकते हैं। राजवेन्द्र के पिता राव देशराज सिंह यादव प्रभावशाली और प्रतिष्ठित नेता रहे हैं। अलग-अलग जातियों पर खेरे डालने का खेल दोनों ही पार्टियां कर रही हैं।

जातीय समीकरणों को साधने का खेल मुरैना में शबाब पर है। यहां स्पीकर नरेन्द्रसिंह तोमर की प्रतिष्ठ दंव पर है, क्योंकि शिवमंगल सिंह तोमर को उन्हीं की

लोकसभा चुनाव 2024



पैरवी से टिकट मिला है। प्रारंभिक दौर में शिवमंगल सत्यपालसिंह सिकरवार के मुकाबले कमजोर नजर आ रहे थे, लेकिन प्रतिष्ठित तेल व्यवसायी रमेश गर्ग को बसपा ने मैदान में उतारकर मुकाबले को रोमांचक और त्रिकोणीय बना दिया है। यहां वैश्यों और दलितों का एक गौण खिला सकता है और गर्ग नया सर्ग लिख सकते हैं।

बसपा के मैदान में उतरने से ग्वालियर सीट पर भी पंच फंस गया है। यहाँ कांग्रेस के प्रवीण पाठक और भाजपा के भारतसिंह कुशवाह के बीच आमने सामने की लड़ाई थी, लेकिन बसपा ने कल्याणसिंह कंसाना को मैदान में उतार कर कुछ हद तक समीकरण गड़बड़ दिये है। कंसाना वोट-कटवा प्रत्याशी माने जा रहे हैं। ब्राह्मणों और राजपूतों के बीच पारंपरिक लांगंडट और दलितों-मुस्लिमों के कांग्रेस की ओर झुकाव से राजनीतिक पंडित नये सिर से कयास लगा रहे हैं। दिलचस्प तोर पर ग्वालियर सीट पर जय-पराजय में महल की भूमिका गौण हो गयी है।

पड़ोसी राजगढ़ सीट पर दिलचस्प चुनावी संग्राम का नजारा देखने को मिल रहा है। यहां से कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ और शक्तिशाली नेता दिव्यजय सिंह चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्हें कमतर नहीं आँका जा सकता। संघ के कड़ूर और मुखर विरोधी होने से वह संघ परिवार की आंखों की किरकिरी है; लिहाजा उन्हें हराने के लिये संघ ने पूरी ताकत झोंक रखी है। दिव्यजय, जो राजा साहब के नाम से विख्यात है, यहाँ से दो बार और उनके अनुज लक्ष्मणसिंह चार बार चुनाव जीत चुके हैं। इस चुनाव में लक्ष्मण की निष्क्रियता समझ से परे है जबकि दिग्गी राजा की पत्नी और विधायक पुत्र प्रचार में जुटे हुए हैं। व्यक्तित्व के मान से बीजेपी के प्रत्याशी और दो बार के विजेता निवर्तमान सांसद रोडमल नागर उनके सामने हलके पड़ते हैं। दस साल के सांसद-काल में उनकी सक्रियता भी कम रही है। दिव्यजय सिंह प्रतिदिन पांच-प्यादे करीब 25 किमी की पदयात्रा कर मतदाताओं से संपर्क साधते हैं। गांवों-

कस्बों के सयाने उनके नाम और काम से सुपरिचित हैं। दिव्यजय सिंह की इस आशय की भावनात्मक अपील पुरअसर है कि वह अपने जीवन का आखिरी चुनाव लड़ रहे हैं। राजगढ़ की भाँति सबकी निगाहें विदिशा पर भी टिकी हुई है, जहाँ से सर्वाधिक काल तक सूबे के मुख्यमंत्री रहे सौभाग्यशाली शिवराजसिंह चौहान चुनाव लड़ रहे हैं। पहले अटलबिहारी वाजपेयी, फिर शिवराजसिंह और फिर सुधमा स्वराज, विदिशा में बीजेपी में बेटन धमाने की परंपरा रही है। अब बेटन एक बार फिर शिवराज के हाथों में है। कांग्रेस ने यहां सन् 80 और सन् 84 में विजयी प्रतापभानु शर्मा पर दांव लगाया है। राजीव गांधी के क्लोन-शेव क्लब के सदस्य रहे प्रतापभानु सकारात्मक सोच और उजली कमीज के नेता हैं। शिवराज को पिछड़ी जातियों और लाड़ली बहनों का भरोसा है, किंतु ब्राह्मणों, दलितों और मुस्लिमों के एक-मुश्त मतों के भरोसे प्रतापभानु ने बिलाशक शिवराज को सांसत में डाल रखा है।

इसी संभाग की अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भिंड सीट भी हार जीत को लेकर जरे-बहस है। यहां मौजूद बीजेपी सांसद सुशीला राय को कांग्रेस के तेजतर्रार और तुरंजुबा नेता फूलसिंह बरैया ने चुनौती दे रखी है। बरैया कभी प्रदेश बसपा के मुखिया हुआ करते थे। बरैया की जीत की संभावना इस नाते ज्यादा आँकी जा रही है क्योंकि क्षेत्र में दलित वोटों की तादाद लगभग एक तिहाई है। प्रियंका के आने से भी बरैया के प्रचार को गति मिली है।

राजधानी भोपाल में हार-जीत को लेकर अधिक आसमंजस नहीं है, क्योंकि पिछले करीब चार दशकों से भोपाल बीजेपी प्रत्याशी का वर्ण करता रहा है। इस क्रम को तोड़ना कांग्रेस के लिए वक्त के साथ कठिन से कठिनतर होता गया है। यहां तक कि पिछले चुनाव में यहाँ दिग्गी राजा को भी करारी पराजय का सामना करना पड़ा था। हिन्दुत्ववादी नेता को बढ़ाने के क्रम में बीजेपी ने साध्वी प्रज्ञा को रिपीट करने के बजाय अलोक शर्मा पर दांव लगाया है। उनके मुकाबले कांग्रेस ने अरुण श्रीवास्तव को मैदान में उतारा है। पार्टी को उम्मीद है कि उन्हें पांच लाख मुस्लिम और डेढ़ लाख कायस्थों के वोट मिलेंगे। कहना कठिन है कि कांग्रेस का यह अनुमान कसौटी पर खरा उतरेगा, क्योंकि कायस्थ वोट बैंक में बिखराव का आसार है।

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित बैतुल में कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला है। बैतुल के निवर्तमान बीजेपी सांसद दुर्गादास उडके का शत्रु ग्वालियर के सांसद विवेक शेजवलकर की भाँति नहीं हुआ। वह पुनः मैदान में हैं और उनका सामना रामू टेकाम से हैं, जिनके लिये सभा करने छिंदावाड़ा में मतदान के आगे दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ आये। नाथ के आने से कांग्रेस नेताओं में एकजुटता और कार्यकर्ताओं में सक्रियता नजर आई, अलबत्ता साधनों के मामले में कांग्रेस बीजेपी से हर कहीं पीछे है। कांग्रेस को मुद्दों का आसरा है तो बीजेपी को सर्वत्र मोदी मैजिक का सहारा।

बुंदेलखंड की सागर सीट भी इससे मुक्त नहीं है। बीजेपी की लता वानखेड़े भी मोदी मैजिक के सहारे चुनावी क्षेत्रणी में पार घाट लगा जाये तो बात दीगर, अन्यथा कांग्रेस ने गुड्सिंह बुंदेला को मैदान में उतारकर कड़ी चुनौती पेश की है। झूट बोले कौवा काटे फेम के विष्णुभाई पटेल की नगरी सागर मंत्रियों की नगरी है और बीजेपी के पास विपुल साधन है, जबकि बीजेपी को राजनीतिक हक के फलस्वरूप कांग्रेस के पास कार्यकर्ताओं तक का टोटा है। इस न्यूनता के बावजूद गुड्डू बुंदेला ने जिस हौसले से चुनाव लड़ा है, वह कबिले तारीफ है। किस्सा कोताह कि कि सात मई को मध्यप्रदेश की नौ सीटों पर मतदान मायने राखता है और अंक तालिका में फेर बदल का बायस बन सकता है।

आम चुनाव

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतुल सुधार न्याय अध्यक्ष हैं)



सू रत लोकसभा के हुए निर्विरोध निर्वाचन के मामले को लेकर जब कांग्रेस द्वारा भारतीय संविधान की दुहाई दी जा रही हो, तब उम्मीदवार का नामांकन निरस्त कर (खजुराहो संसदीय क्षेत्र) एवं तीसरे चरण में हो रहे इंदौर लोकसभा से भी कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन वापिस करवाकर भाजपा में शामिल कर, यथासंभव निर्विरोध चुनाव की नई नीति की अचानक आहट इस लोकसभा चुनाव सुनाई देने लगी है। यह स्थिति तब पैदा हो रही है या की जा रही है, जब दोनों लोकसभा क्षेत्र सूतत व इंदौर से लगातार वर्ष 1989 से व खजुराहो से वर्ष 2004 से भाजपा भारी बहुमत से चुनाव जीतती चली आ रही है। 'ऐसी स्थिति में इस पहलू पर जरूर विचार करना आवश्यक हो जाता है कि क्या नोटा के रहते एकमात्र बचे उम्मीदवार को 'निर्विरोध' निर्वाचित घोषित करने की कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार का समय नहीं आ गया है?

नोटा का अर्थ- भारतीय संविधान व जन प्रतिनिधित्व कानून में मूल रूप से "नोटा" का प्रावधान नहीं था। परंतु "पीपुसीलू बनाम भारत सरकार" के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश के पालन में दिसंबर 2013 में पहली बार मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग ने 'नोटा' का विकल्प भी मतदाता को दिया, तब भारत नोटा का विकल्प देने वाला विश्व का 14वां राष्ट्र बना। वर्ष 2014 में राज्यसभा के चुनाव में भी नोटा का प्रयोग किया गया। यह एक नकारात्मक प्रक्रिया है, जहाँ नोटा का कोई चुनावी मूल्य नहीं होता है। यह सिर्फ प्रत्याशी की अयोग्यता को दिखाने में मतदाता को सक्षम बनाता है। लेकिन यह भी सच है कि एक 'काल्पनिक उम्मीदवार' होता है, जिस प्रकार भावनाएं एक लीगल एण्टाइट्टी (वैध व्यक्ति) होते हैं। 'नोटा' का मतलब ऐसा 'दंतहीन विकल्प' है, जो समस्त उम्मीदवारों को अस्वीकार करने का अधिकार देता है।

जब खुद चुनाव आयोग जोर शोर से यह प्रचारित, प्रसारित करता है कि प्रत्येक नागरिक को अपने 'मताधिकार' का उपयोग हर हालत में करना ही चाहिए और 100 परसेंट वोटिंग होना चाहिए, तब 'निर्विरोध' परिणाम के कारण सूतत लोकसभा क्षेत्र के लगभग 16 लाख वोटर को तथा उनमें से वे युवा वोटर जिन्हें पहली बार मताधिकार का अधिकार मिला है, वे अपने इस अधिकार से वांचित हो गये और उन्हें वोट देते हुए 'सेल्फी' खींचने का मौका भी नहीं मिल पाया। मतदान न करने पर सजा

'नोटा' विकल्प के रहते 'निर्विरोध' निर्वाचन कितना औचित्यपूर्ण?

देने का प्रावधान लाने की वकालत करने वालों के लिए तो निर्विरोध चुनाव एक झटके, सदमे से कम नहीं होगा?

नोटा: दंतहीन प्रावधान

'नोटा' व वृद्धाश्रम की 'दशा' व 'दिशा' एक सी ही है। वृद्धाश्रम की आवश्यकता परिवार द्वारा दायित्वों को न निभाने के कारण उत्पन्न



होती है। अतः जब समाज और परिवार अपना दायित्व पूर्ण रूप से निभाने में सक्षम होकर निभाने लग जाएँ, तब 'वृद्धाश्रम की सोच' ही समाप्त हो जाएगी। इसी प्रकार परिपक्व लोकतंत्र में जनता के पास नोटा विकल्प होते हैं- सत्ता पक्ष व विपक्ष। जहाँ लोकतंत्र परिपक्व नहीं होता है, तब पक्ष-विपक्ष दोनों असफल सिद्ध हो जाने की स्थिति में तभी मजबूरी वश 'नोटा' का प्रावधान कर विकल्प दिया जाता है। परन्तु नोटा का प्रयोग होने के बावजूद मतदाता अपने उद्देश्यों में वस्तुतः सफल नहीं हो पाता है। क्योंकि अंततः 'शासक' तो दोनों पक्षों में से कोई एक ही बनता है, जिसे न चुनने के लिए नोटा का उपयोग किया गया था। 'नोटा' का बहुमत होने की स्थिति में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे 'शासन का अधिकार' नहीं मिल जाता है। अतः नोटा में वास्तविक परिणाम को लागू करने वाली शक्ति निहित न होने के कारण, जिस मुद्दे को लेकर नोटा का प्रयोग किया गया है, उसकी प्राप्ति न होने से नोटा का अहान करना, व्यावहारिक रूप से उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कहीं से कहीं उचित नहीं उरता है।

जन प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन आवश्यक- इस बात पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता है कि 'नोटा' 'किन' उद्देश्यों की

पूर्ति करता है? अथवा उच्चतम न्यायालय ने जिन उद्देश्यों के लिए इसका प्रावधान करने के निर्देश चुनाव आयोग को दिये थे, की क्या पूर्ति हो रही है? यदि 'नोटा' को 'प्रभावी' बनाया है, तो जन प्रतिनिधित्व कानून में यह संशोधन किया जाना आवश्यक है कि यदि नोटा को अधिकतम वोट मिलते हैं, तो न केवल चुनाव फिर से होना चाहिए, बल्कि जिन भी उम्मीदवारों को वोट से भी कम मत मिले हैं, उन्हें पुनः खड़े होना का अधिकार नहीं होना चाहिए। यद्यपि समय के साथ 'नोटा' की लोकप्रियता बढ़ने के बावजूद अभी तक नोटा 'बहुमत' हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ है। अधिकतम व बहुमत में अंतर है। साथ ही जीत का अंतर नोटा को मिले मत से कम होने पर पुनः चुनाव होना चाहिए। इस तरह की मांग को लेकर एक जनहित याचिका प्रसिद्ध लेखक व मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा ने उच्चतम न्यायालय में दायर की है, जिस पर चुनाव आयोग ने नोटिस भी जारी कर दिया है। नवम्बर 2018 में महाराष्ट्र व हरियाणा राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव में संशोधन कर अधिकतम वोट मिलने पर फिर से चुनाव होने का प्रावधान किया गया है। आखिर उपरोक्त प्रस्तावित संशोधन की मांग से नुकसान किस बात का है? किसका है?

हमारे देश में संसदीय प्रणाली है, जहाँ चुने गये विधायक/सांसद, ही कार्यपालिका के माध्यम से 'शासन' चलते हैं। चूँकि नोटा शासक नहीं हो सकता है, अतः आप एक अराजकतावादी स्थिति की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यदि आप 'नोटा' के समर्थक हैं, तो वही काम तो मत न डालने से भी हो रहा है। अतः जितना कम प्रतिशत मतदान हुआ है, उसको 'नोटा' ही माना जाना चाहिए।

मतदाता को यह समझना चाहिए कि यदि आपको कुँआ या खाई, चोर या डाकू में एक किसी एक का चुनाव करना ही है, तब आपने यदि डाकू चुना है, तो वह भविष्य में डाकू से चोर बनने की ओर अग्रसर होगा, ताकि पुनः वह पांच वर्ष के लिए चुना जा सके। और यदि चोर चुना गया है, तो वह 'साहूकार' बनने का प्रयास अवश्य करेगा। यदि ऐसा नहीं हो पाता है, तब अटल जी के शब्दों में हर पांच सालों में 'रोटी' परत देना चाहिए ताकि रोटी (लोकतंत्र) जल न सके को अपना लेना चाहिए। तभी लोकतंत्र सुरक्षित रह पायेगा। 2018 में मध्य प्रदेश विधानसभा के हुए चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के बीच मात्र 0.1 प्रतिशत वोट शेयर का अंतर था, जबकि नोटा का 1.4 प्रतिशत वोट शेयर रहा, जो परिणाम को बदल सकता था।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923, Ph. No. 0755-2422692, 4059111 Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। उनसे उमावार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतुप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।



ओ ह! कैमरा, एक चमत्कारी आविष्कार जिसने हमारे जीवन का दस्तावेजीकरण करने और यादें सझा करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इसमें सबसे खूबसूरत पलों को कैद करने, समय को स्थिर रखने और हमारी सबसे शर्मनाक घटनाओं को अमर बनाने की शक्ति है। आइए कैमरे की सहायता करने के लिए कुछ समय निकालें, और उन सभी हास्यस्पद परिदृश्यों की सराहना करें जिनमें इसने हमें प्रवेश कराया है। सबसे पहले बात करते हैं सेल्फी की उम्र के बारे में। कैमरे ने हम सभी को सेल्फ-पोर्ट्रेट विशेषज्ञों में बदल दिया है। हमें से प्रत्येक हर समय अपने निजी 'परफार्मेंस' (उन फोटोग्राफर को कहते हैं जो अभिनेता, नेता, राजनेता के दिनचर्या के फोटो खींचते हैं।) उपकरण से लेस होता है। क्या आप किसी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक त्वरित तस्वीर खींचना चाहते हैं? सबसे आकर्षक रोशनी के लिए बस कैमरे को झुकाएँ, एक मुद्रा बनाएँ और खींच जाएँगी आपकी आत्म-महिमा। और क्या हम फिल्टर और संपादन ऐप की अंतहीन धारा के बारे में

बात कर सकते हैं जो जादुई रूप से किसी भी साधारण तस्वीर को कला के टुकड़े में बदल देती है? जब उनके पास कुत्ते के कान और उनके सिर पर एक चमकदार प्रभांडल लगा हो तो उन्हें वास्तव में अपने जैसा दिखने की जरूरत किसे है? आखिरकार, जीवन का दस्तावेजीकरण करने का क्या मतलब है अगर वह आपके सर्वोत्तम आभासी स्व को प्रदर्शित नहीं करता है? आइए 'स्मूथ' फोटो की क्रोनोलॉजी को न भूलें। आप उन्हें जानते हैं- जहाँ कोई दूर तक देखने या किसी अनदेखे चुटकूले पर हंसने का नाटक करता है। उन्हें कम ही पता है, उनके चतुर साथी ने शटर बटन पर पहले से ही अपनी जाली बुनाते हुए उन्हें इस कृत्य में फंका दिया है। आह, स्मूथ शॉट का जादू - सावधानीपूर्वक मंचन किया गया और निंजा जैसी सटीकता के साथ निष्पादित किया गया। हमारे भोजन अनुभवों पर कैमरे के प्रभाव के बारे में बात नहीं करेंगे तो कैमरा दुखी हो जाएगा। केवल भोजन का आनंद लेने के बजाय, हमें खाने पर विचार करने से पहले हर कल्पनीय कोण से प्रत्येक व्यंजन की तस्वीर खींचनी होगी। हमारे भोजन का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण है, अन्यथा हर किसी को कैसे पता चलेगा कि हमने ब्रंच के लिए एगोजेजेटोस्ट खाया था? खाद्य फोटोग्राफी की बात करते हुए, आइए हर भोजन, हर नाश्ते और हर सहज कॉफी ब्रेक का दस्तावेजीकरण करने वाले अंतहीन सोशल मीडिया पोस्ट को न भूलें। हम सभी शौकिया खाद्य आलोचक और पेशेवर खाद्य फोटोग्राफर बन गए हैं, पारखी लोगों का एक समाज जो पहले अपने अनुयायियों के लिए फोटो खींचे बिना खाना खाने में असमर्थ है। प्रभावशाली लोगों के उदय के साथ क्या हुआ, वे व्यक्ति जो वास्तव में

कैमरा और मैं

कैमरे को पूर्णकालिक नौकरी में बदलने में कामयाब रहे हैं? वे आत्म-प्रचार की कला को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं और बड़ी संख्या में अनुयायियों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहे हैं कि उनका जीवन कभी न खत होने वाली छुट्टियों से कम नहीं है। जब आपने सोचा कि आप पूरी जिंदगी जी रहे हैं, तो एक प्रभावशाली व्यक्ति आपसे सवाल करता है कि आप उष्णकटिबंधीय समुद्र तट पर भी मौजटिंस क्यों नहीं पी रहे हैं। 'आइए टैगिंग' के रोमांच को न भूलें - अच्छे मनोरंजन के नाम पर, सबसे समझौतावादी, अप्रिय क्षणों में दोस्तों की तस्वीरें कैचर करना और साझा करना। ओह, आपके सोशल मीडिया फ्रीड के माध्यम से स्कॉल करने और छींक के बीच में आपकी उस आनंदमय तस्वीर पर ठोकर खाने की खुशी, आँखें आधी बंद हैं, और किसी तरह आपके सिर पर लसना की एक डिश रखी हुई है। कैमरे ने हम सभी को शौकिया परफार्मेंस में बदल दिया है, जो लगातार हर घटना, मील के पथर और मामूली दिलचस्प क्षण का दस्तावेजीकरण कर रहा है। अब हम केवल जीवन का अनुभव करने से संतुष्ट नहीं हैं - हमें भागी पीढ़ी के लिए भी इसे सावधानीपूर्वक कैद करने चाहिए, भले ही कोई वास्तव में आपकी बिल्ली की जम्हाई लेते हुए 273वीं तस्वीर देखना चाहता हो या नहीं। फिर कुख्यात 'फोटोबॉम्बर्स' हैं, वे व्यक्ति जो चालाकी से खुद को फोटो की प्रभुभूमि में डाल देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर

अनपेक्षित प्रफुल्लता होती है। चाहे वह एक रणनीतिक अंगूठा हो, एक नामझड़ चेहरा हो, या एक अत्याश्रित अलमारी की खराबी हो, फोटोबॉम्बर हमेशा गुप्त रहता है, अपनी धूर्त हकतों से आपकी स्थिर तस्वीर को हड़जैक करने के लिए तैयार रहता है। निगरानी और निरंतर दस्तावेजीकरण के इस युग में, हम हमारी हर गतिविधि पर नजर रखने वाले सुरक्षा कैमरों की उपस्थिति के आदी हो गए हैं। यह लगभग वैसा ही है जैसे कि हम सभी अपने रियलिटी टीवी शो के अनजाने सितारे हैं, जो अदृश्य दर्शकों द्वारा चुंचाप देखे जाने के बावजूद अपना जीवन जी रहे हैं। क्या किसी और को ऐसा लगता है कि वे 'टू टमन शो' में एक भूमिका के लिए लगातार ऑडिशन दे रहे हैं? और आइए ड्रोन फोटोग्राफी की बढ़ती तुनिया को नजरअंदाज न करें। इन हवाई कैमरों ने सचमुच ताक-झांक को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया है। अब हम केवल जमीन से जीवन का दस्तावेजीकरण करने से संतुष्ट नहीं हैं, अब हमारे पास अपने पड़ोसियों की जानुसी करने या बिना सोचे-समझे थूप सेंकने वालों के गुप्त हवाई शॉट्स लेने की क्षमता है। क्योंकि ऊपर से गुंजते हुए ड्रोन द्वारा निगरानी किए जाने से बेवतूर कुछ भी 'स्वतंत्रता' नहीं है। कैमरे ने, हमारे आस-पास की दुनिया को कैद करने और साझा करने की अपनी शक्ति के साथ, हमारे जीवन को कई बेतुके और प्रफुल्लित करने वाले तरीकों से बदल दिया है। हालाँकि इसने निश्चित रूप से हमें एक-दूसरे के करीब लाया है और हमें अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने में सक्षम बनाया है, इसने हमें आत्म-नुनूनी, निगरानी के प्रति जागरूक और अंतहीन तस्वीरें खींचने वाले व्यक्तियों के समाज में भी बदल दिया है। फिर भी कम से कम हमारे पास बूढ़े और झुर्रीदार होने पर देखने के लिए कुछ बेहदारी तस्वीरें होंगी, हे ना?..

मीडिया की स्वतंत्रता : सारे धान पंसेरी के भाव मत तौलिये



दृष्टिकोण

बादल सरोज

लेखक लोकजन के संपादक हैं।

3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस था। पर कुछ गुणी और सुधी मित्रों की ऐसी टिप्पणियाँ दिखीं जिनमें इन दिनों की पत्रकारिता का मखौल उड़ते-उड़ते पत्रकारों का भी उपहास जैसा किया गया लगा। यह एक तो जर्मन कहलवत, दास काइंड मिट डेम बडे ऑस्वुटेन (बच्चे को पहलाकर बाहर निकालें, नहाने के पानी के साथ उसे भी न फेंक दें) जैसा है, दूसरे यह देश और समाज के लोकतंत्र को जिंदा रखने में असाधारण जोखिम उठाकर किये जा रहे पत्रकारों के योगदान की अनदेखी करना है। इस बारे में पाँच आग्रह हैं।

एक- इस देश के पत्रकार कभी नहीं बिके। जब से प्रेस नाम की संस्था और मीडिया शब्द अस्तित्व में आया है तबसे पत्रकारों ने अपना काम किया है; निडर, बेबाक और पूरी दमदारी के साथ। ब्रिटिश राज में कंपनी, वायसरॉय और उनके मैसर्स साहबों की लूट और निर्ममता को पत्रकारों ने ही बेनकाब किया था, जिसके नतीजे में पूरी दुनिया और खुद इंग्लैंड की जनता में इस बर्बरता के विरुद्ध भावनाएं भड़कीं और बर्तानिया हुकूमत को तरीके बदलने के लिए विवश कर दिया। ये अनेक थे, ऐसे ही एक पत्रकार का नाम था कार्ल मार्क्स, जिन्होंने 1852 से 1861 के बीच लन्दन की लाइब्रेरी में बैठकर और ब्रिटिश संसद में रखी गयी रिपोर्ट्स के आधार पर अमरीका के अखबार द न्यूयॉर्क डेली ट्रिब्यून के लिए डिस्पैच लिखे। उन्होंने दुनिया के अखबारों के लिए 1857 की लड़ाई को भी कवर किया और उसे भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम करार दिया। तब का उनका लिखा भारत में उपनिवेशवाद की लूट का आज भी प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है। यह हिंदी में किताब के रूप में भी मौजूद है।

आजादी की लड़ाई के कवरेज और उसके लिए प्रेरणा देने का काम भारत के भीतर भी अनगिनत पत्रकारों ने किया। उनके अखबार जन्म हुए, जुर्माना चुकाने में घर और जायदाद बिक गयी, जेलों काटनी पड़ीं। इनके नाम इतने ज्यादा हैं कि उन्हें गिनाने के लिए जगह कम पड़ जायेगी। युवा भगत सिंह पत्रकार थे, खुद गांधी पत्रकार थे, अम्बेडकर ने अखबार निकाले, नेहरू ने नेशनल हेराल्ड अखबार शुरू किया। नाम और भी हैं अभी सिर्फ एक बाल गंगाधर तिलक का उदाहरण ही ले लें जिन्हें 1891 में अपने अखबार 'केसरी' में 'भारत की दुर्दशा' लेख लिखने पर 6 साल की सजा हुयी थी। इस सजा के खिलाफ बंबई के 6 लाख मजदूरों ने 6 दिन की प्रतीकात्मक हड़ताल कर ऐसा विरोध जताया था कि दुनिया चकित हो गयी थी। दूर बैठे लेनिन ने भी

प्रेस की स्वतंत्रता की हिमायत में औद्योगिक मजदूरों की इस राजनीतिक हड़ताल के महत्व को दर्ज करते हुए उसका अभिनंदन किया था।

आजादी के बाद भारत के पत्रकारों की निर्भकता और उनकी खोजी पत्रकारिता की मिसाल 75-77 की इमरजेंसी में देखी गयीं। उसके बाद के दौर में, आज भी उनकी क्षमता कायम है। किसान आन्दोलन को उसके लायक जरूरी कवरेज देने के चलते न्यूजक्लिक पर ताला डला हुआ है और प्रबीर पुष्पायथ जेल में हैं, बर्बरी को बबर, फासिस्टों को फासिस्ट कहने वाली गौरी लंकेश मारी जा चुकी हैं। राजा का बाजा बजाने से इनकार करने वाले सैकड़ों रवीश, पराज्यो गुहाठकुरता, अभिसार, अजीत अंजुम और पुण्यप्रसून वाजपेई नौकरियों से निकलवा दिए गए हैं।

खड़े खड़े नौकरी से निकलवाना क्या होता है ये अमेटी के दो पत्रकार, इन दिनों स्वयं को राजमहिषी मान बैठे सत्ता पार्टी की नेत्री से सवाल पूछने की हिमाकत करके देख चुके हैं। अखबार के मालिक इते डरे कि अपने इन दोनों पत्रकारों का अस्तित्व तक मानने से इनकार कर दिया।

यह दशा सिर्फ वामपंथी या जिन्हें संघी कुनबा प्यार से सिकुलर कहता है उस विचार को मानने वाले पत्रकारों भर की नहीं है, उनकी ज्यादा है। मगर दक्षिणपंथ में विश्वास करने वाले 'पत्रकार' भी इस विपदा से बचे नहीं हैं। उनमें से कुछ के नाम लिए जा सकते हैं हैं मगर इससे उनका बचा खुचा 'भविष्य' भी खराब होने की आशंका है, इसलिए फिलहाल छोड़िये।

मतलब यह कि पत्रकारों को कोसने से या उनका मजाक बनाने की बजाय पत्रकार मानने की कसौटी को जाँचा जाना चाहिए। यह सारे धान पंसेरी के भाव तौलने का मसला नहीं है, यह जिन्हें धान मानकर तौला जा रहा है वह धान है भी कि नहीं यह पहचानने का मामला है। चंद नामजद बंदे बर्दियां खुद को पत्रकार कहते हैं और उन जैसा काम करते दिखते हैं इसलिए वे पत्रकार नहीं हो जाते। वे चारण और भाट और चौखालों की किस हैं और यह प्रजाति हमेशा रही है। यह समय उलटा पुलटा समय है, इसलिए इन दिनों इनका बसंत आया हुआ लगता है। मगर चांदी के कितने भी बर्क लगा लेने से कीच चन्दन नहीं हो जाता। लिहाजा इन्हें पत्रकार मानकर समुची पत्रकार बिरादरी को धिक्कारा जाना शुरूआत ही गलती से करना होगा।

दो- आज भी पत्रकार हैं और अपनी जान दांव पर लगाकर, कई तो जान गंवार भी पत्रकारिता को बचाए हुए हैं !! नवउदारीकरण के हावी होने के बाद से ही प्रेस

की भूमिका में बदलाव आया है। उसमें असहमति, विरोध और तार्किक तथ्यपरक विश्लेषण घटे हैं। सत्य की हाजिरी भी घटी है। मोदी काल के दस वर्ष - बाकी सबके साथ प्रेस और मीडिया के लिए बेहद घुटन - जो हुआ है उसके अनुपात में घुटन एक छोटा शब्द है - वाले रहे हैं। दबाव, धमकी, गिरफ्तारी और संस्थान की तालाबंदी से लेकर बात इस सबके बावजूद समर्पण न करने वाले पत्रकारों की हत्याओं तक जा पहुँची है। प्रबीर और गौरी लंकेश का जिन्न पहले किया जा चुका है - मगर वे अकेले नहीं हैं। अनेक हैं उनके जैसे जिनकी चर्चा कम ही हुई है।

'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स' 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स' 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' सहित



अन्य प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दुनिया भर के देशों में प्रेस की दशा का आंकलन कर विश्व स्वतंत्रता सूचकांक तैयार किया जाता है। इनकी रिपोर्ट के अनुसार भारत में पत्रकारों की हत्या और उन पर दमन तालिबानी राज में अफगानिस्तान में पत्रकारों पर हुए दमन से भी ज्यादा है। यही वजह है कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 2023 में 180 देशों में 161 वे नम्बर पर था। यह अत्यंत खतरनाक स्थिति है, इसलिए और अधिक खतरनाक कि पिछली वर्ष की रैंक 150 से यह एक ही वर्ष में 11 की छलांग लगाकर और नीचे गयी है। जो नीचे गया वह पत्रकार नहीं है- कारपोरेट नियंत्रित मीडिया है।

तीन- पत्रकार और प्रेस/मीडिया के मालिक दो अलग अलग, एकदम अलग अलग, गुणात्मक रूप से भिन्न चीजें हैं। उन्हें गड़ मड़ करने पर गलत नतीजे पर पहुँचेंगे ही। बीन मालिक की है। स्वर्लिपि वही लिखता है जाहिर है कि बेसुरेपन का दोषी भी वही होगा। पत्रकार या मीडिया पर्सन, भले कितना बड़ा और नामी क्यों नहीं हो, कवरेज और उसकी प्रस्तुति का निर्णय

नहीं करता। यह फैसला वे करते हैं जो पत्रकारिता का 'प' तक नहीं जाते अलबत्ता मुनाफे की भाषा, वर्तनी, व्याकरण और सबसे बढ़कर गणित खूब अच्छे तरह जानते हैं। ऐसा आज से नहीं है, आज कुछ ज्यादा है, मगर ऐसा हमेशा से है। 1886 के शिकागो और अमरीका के कुछ खास अखबारों में मई दिवस के शहीदों की टायल का कवरेज देख लीजिये। एक अखबार है जिसके सेठ ने आज से नहीं जब से उसने पड़ोसी राज्य से अखबार का धंधा शुरू किया है तबसे अपने पत्रकारों को स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन दिया हुआ है कि उनके अखबार में लेफ्ट-वेफ्ट, मजदूर वजदूर, कामरेड वामरेड और लाल झंडा दिखना नहीं चाइये !! अब यह 'नहीं चाइये' थोड़ा और आगे बढ़ गया है।

लुब्बोलुबाब ये है कि पत्रकार की जो थोड़ी बहुत दिखलवटी आजादी थी भी वह खत्म हो चुकी है। अब जो भी है वह धनकुबेर है - मीडिया उसका धंधा है, अखबार और चैनल धंधा चमकाने, अपने धंधे के अपराध छुपाने और राजनेताओं से साझेदारी कर और अधिक माल कमाने का औजार है। इस वर्ष की शुरुआत में अम्बानी का रिलायंस समूह 72 टीवी चैनल्स का मालिक था, इस वर्ष में यह संख्या 100 होने वाली है। एन डी टी वी के अधिग्रहण के बाद अडानी समूह भी इस धंधे में कूद चुका है। जो इनके स्वाभिमत्त्व में नहीं हैं उनमें भी इनका पैसा लगा हुआ है और ये उसके सम्पादकीय रुझान। कवरेज और कंटेंट को निर्धारित करते हैं। नतीजा यह है कि सच गायब हो गया है, सच की पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों का जीना मुहाल हो गया है।

चार- इसकी शुरुआत हुयी सम्पादक नाम की संस्था - जो कभी सर्वोपरि हुआ करती थी - के खत्म के साथ। सम्पादक मतलब खबर के लिए लड़ जाने, संवाददाता और पत्रकार के लिए एड जाने वाला कसान !! सच्ची घटना है कि एक मुख्यमंत्री ने एक अंग्रेजी अखबार के सम्पादक से कहा था कि वह अपना ब्यूरो चीफ बदल दे। उस सम्पादक ने उस ब्यूरो चीफ की तनखा बढ़ाकर उसे पाँच साल और उसी जगह रहने का पत्र जारी कर दिया। अब इस तरह के सम्पादक नहीं रखे जाते। जो रखे जाते हैं वे इस तरह के नहीं हों वह पक्का करने के बाद ही रखे जाते हैं। यह प्रजाति ही लुप्त हो गयी है।

जो सुधी नो नोस्टाल्जिया में जी रहे हैं और राहुल बारपुते, राजेन्द्र माथुर, वॉजी, कुलदीप नैयर, एन राम यहाँ तक कि अरुण शोरी की याद में दुबले हुए जा रहे हैं वे भूल रहे हैं कि इन जैसा होने के लिए बाबू

लाभचन्द छजलानी, गोयनका और द हिन्दू समूह जैसे मालिक और नेहरूविषय काल जैसा वातावरण चाहिए होता है। कल्पना कीजिये कि आज यदि राहुल बारपुते या राजेन्द्र माथुर यहाँ तक कि प्रभाष जोशी भी होते तो क्या इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार को कैलाश विजयवर्गीय द्वारा 'अत्यंत प्यार से बित्ठाए जाने' के मुद्दे पर वह लिख पाते जिससे इंदौर हिल और दहल उठता? नहीं !! उन्हें भी यही लिखना पड़ता कि 'बम भाई ने जो बम बम बोली है वह कांग्रेस के अन्दर परेशानी और घुटन की वजह से बोली है - वो तो उसे निर्वाचन कार्यालय का पता नहीं पता था इसलिए कैलाश भिया तो उसे ठीके तक पहुँचाने के लिए गए थे।' कैलाश भिया और मेंदोला भिया के जागरूक नागरिकत्व और जरूरतमन्द को राह दिखाने के सकल्य पर दो चार सम्पादकीय भी ठेल दिए जाते। गरज ये कि आज उन आदर्श कहे जाने वालों में से कोई भी सम्पादक होता तो वह भी कोई कद्दू नहीं उखाड़ पाता, या तो दरबार में बैठकर बुझाई छील रहा होता या फिर बिना पेशान या गुजारो भत्ते के अपने घर बैठता होता।

पाँच- इस सबके होते हुए भी पत्रकारों का लोहा अभी जंग नहीं खाया, उनकी रीढ़ अभी तनी हुई है। अनेक स्त्री पुरुष, युवक युवतियाँ ऐसी हैं जिनमें बारपुते, माथुर, नैयर, वॉजी और राम बनने की काबिलियत है; बल्कि सूचना के विस्फोट के इस काल में उनसे भी ज्यादा बेहतर बनने की क्षमता भी है, संभावना भी है। ये वह काम कर भी रहे हैं। अपने अपने संस्थानों की सीमा से बाहर जाकर अभिव्यक्ति के नए माध्यम ढूँढ तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया के अनगिनत प्लेटफॉर्म पर, यूट्यूब के सैकड़ों चैनल्स पर वे डटे हुए, वेब मैगजीन्स औरसाइट्स चला रहे हैं। जोखिम उठाकर भी सच सामने ला रहे हैं। कथित मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट्स द्वारा ब्लैकआउट और सेंसर कर देने के बाद भी सारा सच यदि लोगों तक पहुँच रहा है तो इन्हीं फूट सोल्जर्स के कंधों पर सवार होकर पहुँच रहा है। ठीक है उसे पास चकाचौंध नहीं है सच तक पहुँचने का जज्बा और उसे दर्ज करने का साहस तो है।

जुगनुओं का साथ लेकर राह रोशन कीजिये, रास्ता सूरज का देखा तो सुबह हो जायेगी!! हालाँकि पत्रकार जुगनु नहीं है, स्वतंत्रता मिले तो यन्मे सूरजों का भी सूरज बनने की काबिलियत है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर इन्हें सराहिये, इनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कीजिये। देश में जो लोकतंत्र बचा है उसमें एक बड़ा योगदान इन पत्रकारों का भी है जिन्हें न कभी निश्चित जीवन जीने लायक वेतन मिला, न काम करने के लिए निरापद वातावरण मिला। मगर तब भी उन्होंने अपनी कलम गिरवी नहीं रखी।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर विशेष



योगेश कुमार गोयल

लेखक स्तंभकार हैं।

अपने 80 वर्षीय जीवनकाल में करीब एक हजार कविताएँ, 8 उपन्यास, 8 कहानी संग्रह, 2200 से अधिक गीत तथा विभिन्न विषयों पर अनेक लेख लिखने वाले गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीत प्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। वह विश्व की एकमात्र ऐसी महान् शख्सियत हैं, जिनके लिखे गीतों की छाप तीन देशों के राष्ट्रान में स्पष्ट परिलक्षित है। भारत का राष्ट्रान 'जन गण मन अधिनायक' उन्हीं के द्वारा मूल रूप से बांग्ला भाषा में लिखा गया था जबकि बांग्लादेश का राष्ट्रान भी उन्हीं के गीत से लिया गया है, जिसमें बांग्लादेश का गुणगान है। इसके अलावा श्रीलंका के राष्ट्रान का एक हिस्सा भी उनके एक गीत से ही प्रेरित माना गया है। 7 मई 1861 को कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन भद्राद्वय परिवार में जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालाँकि उन्हीं यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक

मानवीय एकता का सार समझाते रवीन्द्रनाथ टैगोर

पहुँचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहदारी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया।

वर्ष 1912 में टैगोर ने अपने बेटे के साथ समुद्री मार्ग से भारत से इंग्लैंड जाते समय खाली समय का सदुपयोग करने के लिए अपने कविता संग्रह 'गीतांजली' का अंग्रेजी अनुवाद शुरू किया था। लंदन में उनके अंग्रेज चित्रकार मित्र विलियम रोथेनस्टाइन ने जब टैगोर के कविता संग्रह गीतांजली का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा तो वह इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपने मित्र कवि डब्ल्यू.बी. यीट्स को गीतांजली के बारे में बताया और पश्चिमी जगत के लेखकों, कवियों, चित्रकारों, चिंतकों से टैगोर का परिचय कराया। 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छपे गए। भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में बंग-भंग विरोधी आन्दोलन का बड़ा महत्व रहा है, जिसमें समूचे भारत के देशभक्त नागरिकों ने एकजुट होकर ब्रिटिश सरकार को झुकने पर विवश कर दिया था। उसी दौरान टैगोर ने

1905 में बांग्ला में एक गीत लिखा था, आमार शोनार बांग्ला, आमि तोमाएँ भालोबाशी। चिरदिन तोमार आकाश, तोमार बातारा, आमार प्राने बजाएँ बाशी। इसका अर्थ है कि मेरा सोने जैसा बांग्ला, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। सदैव तुम्हारा आकाश, तुम्हारी वायु, मेरे प्राणों में बांसुरी सी बजाती है। हालाँकि जिस समय उन्होंने इस गीत की रचना की थी, उस समय उन्होंने स्वयं कल्पना तक नहीं की होगी कि करीब 66 वर्षों बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आएगा और उनका यही गीत उसका राष्ट्रान बन जाएगा। उनकी कुछ कविताएँ तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहाँ तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालाँकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर

सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहे या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरुदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने मात्र आठ वर्ष की आयु में अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियाँ तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहाँ प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पाँच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरुदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियाँ लिखीं और यहाँ मौजूद

उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलाचन्द्र, कणिका, क्षणिका, खेया हैमाति, क्षुदित, मुसलमानिर गल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्हीं कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएँ पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गईं। उपन्यास में गारा, चतुरंगा, नौकादुबी, जंगमण, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरुदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियाँ को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरुदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने ईमान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। मानवता को राष्ट्रवाद से बड़ा मानने वाले गुरुदेव ने कहा था कि जब तक मैं जिंदा हूँ, मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।



विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

देश का आम चुनाव जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनविश्वास की चुनौती का बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की सियासी एकता की अग्निपरीक्षा भी है। आम चुनाव को लेकर देश में शोर की राजनीति है। जनपक्ष से जुड़े जमीनी मुद्दे गायब हैं सिर्फ जुबानी जंग की लड़ाई है। आधुनिक भारत में विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम में हम चाँद और सूरज को नाप रहे हैं जबकि राजनीति में हमारी सोच आरक्षण, दलित, सम्प्रदाय, जाति, अगड़ा-पिछड़ा, हिन्दू-मुस्लिम से आगे नहीं निकल पा रही। यह आधुनिक भारत और युवापीढ़ी के लिए शर्म की बात है।

फिलहाल राजनीति भी प्रयोगवाद का विज्ञान है लिहाजा प्रयोग लाजमी है। चलिए हम उसी सियासी प्रयोगवाद के अध्ययन की तरफ ले चलते हैं। उत्तर प्रदेश राजनीतिक लिहाज से बड़ा प्रयोग क्षेत्र है। 'भाजपा का नारा अबकी बार 400 पार' की असली जमीन उत्तर प्रदेश ही है। इस बार पश्चिम बंगाल की कुशल राजनीतिज्ञ खिलाड़ी ममता बनर्जी इण्डिया गठबंधन के रास्ते नया प्रयोग करना चाहती हैं। वह भदोही लोकसभा सीट के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में घुसपैठ करना चाहती हैं। उनकी इस सोच को जमीन देने का काम किया है समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने। उन्होंने अपनी सियासी दोस्ती में भदोही जैसी अहम सीट तुणमूल की झोली में डाल दिया

पश्चिम बंगाल से उत्तर प्रदेश को साधना चाहती हैं ममता ?

है। ममता दीदी इस प्रयोग में कितनी सफल होंगी यह वक बताएगा।

ममता बनर्जी इस प्रयोगवाद के जरिए भाषाई राजनीति से अलग हटकर उत्तर भारत के सबसे बड़े हिंदी भाषी क्षेत्र में अपनी उपस्थित दर्ज करना चाहती हैं। अगर इण्डिया गठबंधन के जरिए यह प्रयोग सफल रहा तो वह इसी रास्ते हिंदी भाषा पर राजनैतिक विस्तारवाद की फसल उगाएंगी। उनके इस सफर के सबसे अहम साथी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होंगे। मोदी बनाम विपक्ष की इस सियासी दोस्ती में दीदी को अखिलेश यादव जैसा एक मजबूत सियासी दोस्त मिला है। दीदी के लिए उन्होंने बड़ा दिल दिखाया है। सपा यूपी में 63 जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

ममता और अखिलेश यादव के बीच हुए इस समझौते में मीडिया में यह बात भी आयी थी कि अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल में समाजवादी पार्टी के उपाध्यक्ष किरणमय नंदा के लिए दक्षिण कोलकाता की सीट चाहते थे। क्योंकि यहाँ पूर्वांचल के आजमगढ़, गाजीपुर और चंदौली जिले के मतदाता काफी संख्या में रहते हैं। जिससे सपा वहाँ अपनी पैठ जमा सकती है। अब यह समझौता हुआ या नहीं कबना मुश्किल है। किरणमय नंदा 35 साल तक विधायक रहे। वह वाममोर्चा सरकार में 30 साल तक मंत्री रहे। वे समाजवादी विचारधारा के पोषक रहे जिसकी वजह से वे मुलायम सिंह यादव के करीब आए और परिवार में सियासी उठापटक के दौरान वे अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े रहे। जिसकी वजह से वह अखिलेश यादव के करीबी बन

गए। नंदा की वजह से ही समाजवादी पार्टी का अधिवेशन कोलकाता में हुआ था। बंगाल में वह समाजवादी पार्टी को खड़ा करना चाहते हैं।

फिरहाल अखिलेश यादव ने ममता दीदी के लिए बड़ा दिल दिखाया और उन्हें भदोही सीट मिल गई है। हालाँकि अखिलेश यादव के इस फैसले से पार्टी के बड़े नेता



आंतरिक तौर पर खुश नहीं होंगे। लेकिन भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिर जमाल बेग बताचैत के दौरान इस बात से इनकार किया था। फिलहाल बीमारी की वजह से वे अस्पताल में हैं। यहाँ से ममता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे पंडित कमलापति के प्रौत्र ललितेश पति त्रिपाठी को चुनावी

मैदान में उतारा है। ललितेशपति का परिवार खानदानी तौर पर कांग्रेस कल्चर से रहा है। ललितेश भी कभी गाँधी परिवार के बेहद करीबी माने जाते रहे। वे कांग्रेस से मिर्जापुर की मंडिशन विधानसभा से 2012 में विधायक चुने गए। मिर्जापुर उनके परिवार की सियासी कर्मस्थली रही है। उनके दादा लोकपति त्रिपाठी का यह कर्म क्षेत्र रहा है। ललितेश कभी प्रियंका गाँधी के बेहद खसर रहे। लेकिन राजनीति में सबकुछ चलता है। किसी बात से नाराज होकर 2021 में कांग्रेस छोड़कर तुणमूल की शरण में चले गए। अब ममता ने उन्हें भदोही से उम्मीदवार बनाया है।

पश्चिम बंगाल में इण्डिया गठबंधन का कोई मतलब नहीं है वहाँ कांग्रेस और ममता एक दूसरे के खिलाफ कल्चर लेड़ रहे हैं। ममता दीदी भदोही में ललितेश को चुनावी मैदान में उतार कर सोची समझी रणनीति का परिचय दिया है। उन्होंने कांग्रेस को जहाँ जमीन दिखाई है वहाँ एक ब्राह्मण चेहरा उतार कर एक नई सियासत का आगाज किया है। ललितेश कभी कांग्रेस के वफादार सिपाही थे। उनका पूरा खानदान कांग्रेस कल्चर का है लेकिन कांग्रेस से बड़ा उकराए गए तो दीदी ने गले लगाया। ममता का दांव कांग्रेस के लिए एक सबक भी है।

दूसरी बात ललितेश एक ब्राह्मण चेहरा हैं। ममता भी ब्राह्मण हैं। भदोही में ब्राह्मण वोटर सबसे अधिक हैं। 2014 के बाद ब्राह्मण भाजपा की झोली में चला गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा यानी मोदी और

ममता की सियासी दुश्मनी जगजाहिर है। इसलिए उन्होंने पूर्वांचल के सियासी दिग्गज परिवार के युवा उमीदवार को उतार कर भजपा के वोट में संभार अपना सियासी दाँव को सफल करना चाहती हैं। क्योंकि भदोही प्रशासमंत्री मोदी की वाराणसी संसदीय सीट की पड़ोसी सीट है। ममता का चुनावी दाँव अगर सफल हो जाता है तो यह मोदी के लिए भी चुनौती होगी।

दूसरी तरफ भदोही समाजवादी और भजपा की टक्कर वाली सीट है। यहाँ ब्राह्मण, बिंद के बाद मुस्लिम और यादव अच्छे तादात में हैं। भाजपा बंगाल में ममता पर हिन्दू विरोधी होने का आरोप लगाती है। उन्हें बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और मुस्लिमों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताती है। जिसका लाभ ममता को भदोही में मिलेगा। क्योंकि एमवाई यानी मुस्लिम और यादव अखिलेश यादव का बेहद करीबी है। ममता और अखिलेश यादव के राजनीतिक विचारधारा में समानता है जिसका लाभ तुणमूल को मिलेगा।

भदोही का ब्राह्मण अगर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को किनारे कर ब्राह्मणवाद के लिए शंख बजा दिया तो यहाँ ममता और अखिलेश यादव की सियासी दोस्ती गुल खिला सकती है। ममता दीदी को भदोही के रास्ते उत्तर प्रदेश की राजनीति में पाँव फैलाने का अच्छा खासा मार्ग मिल जाएगा। फिरहाल मोदी बनाम विपक्ष की इस लड़ाई में ममता की सियासी गुगली कितनी सफल होती है या सफल बताएगा। लेकिन मोदी और अखिलेश की दोस्ती एवं सियासी समझौते को हल्के में लेना भाजपा की बड़ी भूल होगी।

आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की पहल पर 173 युवाओं को मिलेगा रोजगार

आर.डी.पब्लिक स्कूल में आयोजित मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में हुआ चयन



बैतूल। आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले में क्रांति एजुकेशन देने के साथ ही बच्चों को काम्प्यूटिबल एजाम की तैयारी करवाकर मेडीकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में रोजगार की राह दिखाने वाले आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा जिले के युवाओं

को रोजगार दिलाने की ठोस पहल कर सामाजिक सरोकार की अनूठी मिशाल पेश की है। आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल की पहल पर आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 20 से अधिक कम्पनियों ने सहभागिता कर निर्धारित मापदण्डों के आधार पर बैतूल जिले के 173 युवाओं का आत्मनिर्भरता का सपना साकार कर विभिन्न पदों पर उनका चयन किया है। जानकारों की माने तो सम्भवतः बैतूल जिले में यह पहला मौका है जब किसी निजी शैक्षणिक संस्थान ने रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन कर युवाओं के रोजगार का सपना साकार किया है। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में शामिल हुई 20 से अधिक कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ ही चयनित युवाओं ने आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के सामाजिक सरोकार से जुड़ी इस पहल को सराहनीय और अनुकरणीय बताकर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है।

आरडी ग्रुप ने की रोजगार दिलाने की ठोस पहल- आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर द्वारा जिले के युवाओं को उनकी दक्षता और क्षमता के मुताबिक रोजगार दिलाने के लिए ठोस पहल करते हुए आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में अपने स्तर पर मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में 20 से अधिक कम्पनियों शामिल हुईं। कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा लगभग 814 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। कम्पनियों के विशेषज्ञों द्वारा साक्षात्कार में योग्यता के आधार पर विभिन्न पदों के लिए 173 युवाओं का चयन कर उनके आत्मनिर्भरता के सपने को साकार किया।

ये कम्पनियां हुई शामिल- आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में शारदा फावर इंडस्ट्री कोसमी, सत्कार टोयटा, एकोटास स्मॉल फायनेंस बैंक, जीविसा हर्बल कोसमी, इफको टोकियो, एलआईसी, एक्सिस बैंक, कपूर एण्ड संस, महिन्द्र स्कॉड मोटर्स, मारुति सुजुकी कामटी मोटर्स, एसाफ बैंक, बैतूल बाँयो फ्यूल, अनंत स्पेसिंग मील मण्डीदीप, आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल, एयू स्मॉल बैंक, एसबीआई बैंक सहित अन्य कम्पनियों ने शामिल होकर पोस्ट ग्रेजुएट, ग्रेजुएट, पॉलीटेक्निक, आईटीआई की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर विभिन्न पदों के लिए युवाओं का चयन किया। इस केम्पस ड्राइव में अधिकतम पैसेज 3 लाख 25 हजार रूपए के ऑफर पर रिक्रूटमेंट हुआ। मेगा रिक्रूटमेंट ड्राइव में शामिल कम्पनियों के प्रतिनिधियों एवं चयनित युवाओं ने स्थानीय स्तर पर रोजगार की उपलब्धता के लिए की गई पहल के लिए आरडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल को धन्यवाद ज्ञापित कर भविष्य में भी रिक्रूटमेंट ड्राइव एवं स्किल डेवेलपमेंट ट्रेनिंग आयोजित करने की अपेक्षा की।

रामायण के अंदर प्रवेश करने पर होता है रहस्यों का प्राकट्यः पं. निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल। रामायण की कथा अलौकिक है, मात्र जो दिखता है वही सत्य नहीं है। रामायण के अंदर प्रवेश करने पर रहस्यों का प्राकट्य होता है। यह सारा संसार भगवान का बनाया हुआ है, इसीलिए इसमें मनुष्य को कैसा रहना चाहिए यह संस्कार भी भगवान ही देते हैं, इसीलिए स्वयं अपने परिजनों के साथ संसार में आकर हमारा चारित्रिक मार्गदर्शन भी करते हैं। जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर के आवास टैगोर वार्ड में राम कथा के अष्टम दिवस मानस महारथी पं.निर्मल कुमार शुक्ल ने राम रावण के चरित्र का एक अलग ही निरूपण किया। उन्होंने कहा कि रावण और राम दोनों एक ही जगह से आए हैं जैसे आजकल रामलीला मंडलियां आती हैं, लेकिन उनके सारे पात्र एक ही गांव के होते



हैं और आपस में संबंधी भी होते हैं किन्तु यहां आकर शत्रु मित्र आदि आदि भूमिकाओं का निर्वाह करते हैं। ठीक उसी प्रकार रावण राम दोनों का आगमन एक ही वैकुंठ लोक से हुआ है। रावण कुंभकर्ण दोनों भाई पूर्व काल में वैकुंठ में भगवान के परम प्रिय पहरेदार थे। एक बार सनकादि ऋषियों ने इन्हें राक्षस होने का शाप दे दिया और यह हिरण्यकशिपु तथा हिरण्यशक बन कर राक्षस यौनि में पैदा हुए। भगवान ने वाराह और नृसिंह अवतार लेकर उन दोनों का उद्धार किया। दूसरी बार दोनों रावण कुंभकर्ण बने, अबकी बार भगवान ने रामावतार लेकर इनका उद्धार किया। जब भगवान राम के हाथों खर दूषण का वध हुआ यह सुनकर रावण को विश्वास हो गया कि परमात्मा का अवतार हो चुका है, मेरे मोक्ष का समय नजदीक आ गया। इसी उद्देश्य से रावण ने सीता जी का हरण किया। रावण को सीता वापस करने के लिए 22 लोगों ने समझाया कि तुमने किसी की बात नहीं मानी। अतः मैं मंदोदरी ने समझाया कि राम से बैर मत कर सीता के कारण लंका का सर्वनाश हो जाएगा। सूरदास जी ने रामचरितावली में कहा कि रावण मंदोदरी को समझाते हुए कहता है कि प्रिये मैं सीता को नहीं लौटाऊंगा। यह सीता मुझे भवसागर पार होने के लिए नौका के रूप में मिली है अपने हाथों इस नौका का विनाश नहीं करूंगा।



थम गया चुनावी शोर, आज ईवीएम में बंद होगा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला



संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आज सोमवार को मतदान दलों को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। आज मंगलवार 7 मई को होने वाले बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा चुनाव के लिए बैतूल जिले की सभी विधानसभा के पोलिंग बूथों के लिए मतदान दल अपने मतदान केंद्रों के लिए आज सोमवार को रवाना हो गए। मंगलवार 7 मई को लोकसभा चुनाव के लिए होने वाली वोटिंग हेतु रवाना करते समय इन मतदान दलों को उपस्थित अधिकारियों ने गाजे-बाजे के साथ मतदान सामग्री के साथ-साथ पुष्प गुच्छ देकर रवाना किया।

जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोले गए स्ट्रांग रूम

मतदान दल, मतदान सामग्री के साथ गंतव्य को हुए रवाना

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतदान दिवस के पूर्व मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की उपस्थिति में बैतूल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित मतदान केंद्रों के दलों को रवाना किया गया। सोमवार प्रातः 7 बजे से मतदान कर्मी मतदान सामग्री के लिए जेएच कॉलेज परिसर में उपस्थित होना शुरू हो गए थे। एसडीएम राजीव कहार एवं तहसीलदार जी पाटे द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम खोले गए।

एसडीएम राजीव कहार ने सर्वप्रथम जन प्रतिनिधियों को बंद स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कराया। दल प्रतिनिधियों की संतुष्टि के पश्चात स्ट्रांग रूम खोले गए। इसके बाद दल प्रतिनिधियों को स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम के निरीक्षण के लिए ले जाया गया। उनके अवलोकन के बाद मतदान स्ट्रांग रूम बंद कराए गए। मतदान के लिए ग्राउंड परिसर में सेक्टर के अनुसार व्यवस्थित वितरण व्यवस्था की गई थी। मतदान दलों के लिए परिवहन व्यवस्था के साथ सुव्यवस्थित सुरक्षा बल तैनात था। मतदान सामग्री में ईवीएम के साथ बैलेट यूनिट और सीयू (कंट्रोल यूनिट) व्हीव्हीपेंट मशीनों को सील करने के लिए ग्रीन पेपर सील, पिंक पेपर सील, 20-20 निवदित मतपत्र, मतदान करने वाली निर्वाचन पंजी एवं अन्य पत्र शामिल थे। मतदान दल विभिन्न सेक्टरों के लिए बस से रवाना हुए। बैतूल के 32 सेक्टरों में 297 मतदान केंद्रों के लिए 92 बसे अधिग्रहित कर संबद्ध की गईं।

शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त, लगा लंबा जाम एम्बुलेंस भी फंसी



बैतूल। कोठी बाजार कमानि गेट के पास साप्ताहिक बाजार के दिन हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। आज रविवार को भी शाम 6:00 बजे लंबा

जाम लग गया। सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। जाम में एंबुलेंस भी फंस गई थी। कड़ी मशकत के बाद एंबुलेंस को जाम से बाहर निकाला गया। जानकारी

बैतूल

मुलताई में 296 मतदान टीमों पोलिंग बूथ के लिए रवाना मतदान करेंगे ग्राम महतपुर, गोपलतलाई और चिकली खुर्द के वासी



मुलताई। बैतूल जिले की मुलताई विधानसभा के 296 पोलिंग बूथों के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पट्टेयाने ने हाई स्कूल ग्राउंड से सभी मतदान दलों को गाजे बाजे के साथ पुष्प गुच्छ देकर रवाना किया। 296 पोलिंग बूथों पर पहुंचने के लिए 62 बसें लगाई गई हैं। 7 बसों को रिजर्व रखा गया है। इसी प्रकार 296 निर्वाचन टीमों के अलावा 34 टीमों आपातकालीन स्थिति के लिए रिजर्व रखी गई हैं। क्षेत्र के 81 संवेदनशील पोलिंग बूथों के साथ संपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिए विभिन्न बलों के 350 सैनिक तैनात किए गए हैं जिसमें सशस्त्र पुलिस बल भी शामिल है। मुलताई विधानसभा क्षेत्र के तीन ग्राम महतपुर, गोपाल तलाई और चिकली खुर्द से चुनाव बहिष्कार के समाचार प्राप्त हुए थे ग्राम महतपुर में भाजपा कार्यकर्ता एवं सेवानिवृत्त शिक्षक ने चुनाव प्रचार में गए भाजपा प्रत्याशी डी.डी. उड्डेकर पर कसम खाकर विकास कार्य न करने 5 साल तक ग्राम में नहीं आने का आरोप लगाते हुए भाजपा के स्थान पर ग्रामीणों द्वारा नोटा का बटन दबाने का कहा गया था। किंतु पूर्व रोजगार निर्माण बोर्ड अध्यक्ष हेमंत विजय राव देशमुख ने ग्रामीणों से संपर्क कर बताया कि यह झूठी भ्रांतियां फैलाई गई थीं मैं स्वयं ग्रामीणों से

मिला हूँ और भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम महतपुर होशियार सिंह शिक्षक सहित संपूर्ण ग्राम भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे। ग्राम गोपलतलाई के ग्रामीणों ने नहर का पानी नहीं मिलने के विरोध में मतदान बहिष्कार की घोषणा कर रखी थी सूचना के बाद ग्राम पहुंची तहसीलदार अनामिका सिंह पंचनामा बनाकर ग्रामीणों को समझावश दी और हर तरह के प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने मतदान करने का आश्वासन दिया है। ग्राम चिखली ग्राम पंचायत में विभिन्न समस्याओं को लेकर मतदान बहिष्कार का अलाउंस किया जा रहा था जिसके बाद सक्रिय हुए प्रशासन ने समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया जिसके बाद यहां भी 7 मई को मतदान हो सकेगा।

मुलताई विधानसभा के लिए में बने हैं 28 सेक्टर- इधर सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए विभिन्न बल के 350 से अधिक पुलिस कर्मचारी अधिकारी तैनाती की गई है। हाई स्कूल ग्राउंड पर बनाए गए सामग्री वितरण स्थल पर सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पट्टेयाने एवं तहसीलदार अनामिका सिंह के मार्गदर्शन 296 पोलिंग बूथों के लिए 296 टैबल लगाए गए हैं। इसके अलावा रिजर्व 34 पोलिंग टीम अतिरिक्त

होगी जो आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रवाना की जा सकेगी। नोडल अधिकारी भगवानदास कुमर ने जानकारी देते हुए बताया कि मुलताई विधानसभा क्षेत्र में कुल 330 पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया था जिसमें से 296 पोलिंग पार्टियां प्रातः हाई स्कूल ग्राउंड से रवाना हुईं अन्य आपातकालिन सेवाओं के लिए उपलब्ध होगी। विधानसभा में कुल 28 सेक्टर पर स्वास्थ्य कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। कौनसे मतदान केंद्र का दल कहा रवाना किया जाएगा यह तय करने के लिए हाई स्कूल ग्राउंड पर 3 कोडिंग सेंटर भी बनाया गया है। दूर से आने वाले निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारियों के लिए उकृष्ट विद्यालय में व्यवस्था की गई है। परिवहन अधिकारियों के साथ परिवहन व्यवस्था में लगे आरआई रवि पदाम ने बताया कि निर्वाचन टीमों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए 62 बसों की व्यवस्था की गई है इसके अलावा 7 वहां रिजर्व में रखे गए हैं। मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 में 28 सेक्टर बनाए गए हैं प्रत्येक सेक्टर पर मॉनिटरिंग टीम के लिए फोर व्हीलर की व्यवस्था की गई है इसके अलावा दो फोर व्हीलर रिजर्व में रखे गए हैं। सालबडी में एक फोर व्हीलर और एक ट्रेक्टर की व्यवस्था की गई है वहीं इटावा में एक बोलेरो की व्यवस्था अलग से की गई है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने केरपानी मंदिर में की पूजा

शिव महापुराण कथा के लिए जा रहे थे परतवाड़ा

बैतूल। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा आज सोमवार को अचानक केरपानी के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां पर हनुमान जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। पंडित मिश्रा के आगमन की पूर्व में कोई सूचना नहीं थी और जैसे ही उनका केरपानी में आगमन हुआ, वैसे ही लोगों को आश्चर्य हुआ और वे मंदिर की तरफ पहुंचे। बताया जा रहा है कि मंदिर के पुजारी के द्वारा पंडित प्रदीप मिश्रा से विधि-विधान के साथ पूजा करवाई गई और करीब 15 मिनट तक वे मंदिर में ही रुके। पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर से शिव महापुराण कथा वाचन के लिए परतवाड़ा जा रहे थे, इसी दौरान उन्होंने केरपानी में रूककर हनुमानजी की पूजा अर्चना की। उनके आने पर मंदिर में भीड़ लग गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में पंडित मिश्रा के वीडियो बनाए।

सर्ग में मतदान नहीं कर पाई 100 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता देवकी लकवाग्रस्त दो बुजुर्गों के पास भी नहीं पहुंचा मतदान दल, ग्राम पंचायत के 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को नहीं मिल पाई घर पर मतदान सुविधा

बैतूल। जिले की मुलताई तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सर्ग में बुजुर्ग, बीमार एवं निशक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग शासन की घर में मतदान की सुविधा के तहत नहीं कर पाये। जिले की बात करें तो निर्वाचन अधिकारी एवं प्रशासनिक व्यवस्था के चलते दो चरणों में 96 प्रतिशत बुजुर्गों ने घर पर ही मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित की लेकिन बात जब सर्ग ग्राम पंचायत की आती है तो यहां उक्त श्रेणी के मतदाताओं में से एक भी मतदाता का मतदान न कर पाना बीएलओ की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सर्ग के सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी से भी शिकायत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जो बुजुर्ग मतदाता मतदान नहीं कर पाये हैं उनमें तीन बुजुर्ग लकवाग्रस्त हैं जिनकी उम्र 81, 71 और 86 वर्ष है, निशक बुजुर्गों को सुविधा से वंचित किया गया है। सरपंच श्री सूर्यवंशी का आरोप है कि दवांग एवं अपार्याधिक प्रवृत्ति के शिक्षक बीएलओ की दवांग से पूरा गांव परेशान है। उन्होंने आशंका जताई कि बीएलओ 7 मई को होने वाले मतदान को भी प्रभावित कर सकते हैं इसी के तहत उन्होंने कलेक्टर से उचित कार्रवाई की मांग की है।

मतदान केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थ हैं बुजुर्ग- सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत में 22 बुजुर्ग ऐसे हैं जो या तो अशक्य है या जिनकी उम्र इतनी अधिक है कि वे मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंच पाएंगे। ऐसे में आशंका यह है कि 22 मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित रह जाएंगे। उक्त 22

बुजुर्गों में एक दर्जन बुजुर्ग निर्वाचन आयोग के मापदंडों के अनुसार घर पर ही मतदान के पात्र थे लेकिन बीएलओ की लापरवाही से मतदान नहीं कर पाये। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सर्ग में बीएलओ धर्मराज पिता गौरीशंकर गढ़ेकर द्वारा निर्वाचन आयोग के नियमों एवं दिशा निर्देशों का मखौल उड़या जा रहा है। बीएलओ धर्मराज ने अपनी मनमानी करते हुए उक्त पात्र मतदाताओं का मतदान घर पर नहीं होने दिया। बीएलओ ग्राम पंचायत सर्ग का ही निवासी है तथा इनकी पोस्टिंग भी गृह ग्राम में ही है। पूर्व में भी बीएलओ धर्मराज पंचायत चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में अपनी दबांगई दिखाते हुए चुनाव को प्रभावित करने की हरकतें कर चुके हैं। इसी से आशंका है सरपंच द्वारा शिकायत कर बीएलओ के अन्यत्र स्थानांतरण एवं चुनाव प्रक्रिया निर्विरोध एवं निष्पक्ष कराने की मांग की है।

बीएलओ का कहना मात्र तीन बुजुर्ग 85 प्लस, मतदान केन्द्र पर करेंगे मतदान- बीएलओ धर्मराज की माने तो उनके अधिकार क्षेत्र में मात्र तीन ही बुजुर्ग 85 प्लस है। जिनमें से एक मतदाता सरस्वती बाई का निधन हो चुका है जबकि देवकी बाई जिनकी उम्र 100 वर्ष है उन्होंने घर पर मतदान करने से मना कर दिया। ऐसे में बीएलओ ने देवकी बाई एवं एक अन्य बुजुर्ग की पावती लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के पास जमा कराई। इधर सरपंच तुलाराम सूर्यवंशी ने जिन 22 निशक एवं अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाता की सूची कलेक्टर को सौंपी है उनमें सखाराम पिता सालकराम 87 वर्ष,

जगन पिता शोभाचंद 91 वर्ष, कपूरचंद पिता मौजी नरवरे 86 वर्ष, सालकराम पिता शोभाचंद 94 वर्ष, पूरन पिता रूपचंद 89 वर्ष, देवकी पति लालचंद 100 वर्ष, पत्रालाल पिता भिखू 88 वर्ष, गया पति भूमा 85 वर्ष शामिल है। इसके अलावा तीन बुजुर्ग इस सूची में ऐसे भी हैं जो लकवाग्रस्त हैं और चलने में असमर्थ हैं। सरपंच का आरोप है कि मतदान दल निशक एवं बुजुर्ग मतदाताओं के बीच पहुंचा ही नहीं। बीएलओ द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को भूमित करने के भी आरोप लगाए गए हैं। बहरहाल ग्राम पंचायत सर्ग में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के साथ जो बुजुर्ग एवं निशक घर पर मतदान नहीं कर पाये उनके लिए सुविधाजनक मतदान की व्यवस्था बनाए जाने एवं बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की मांग सरपंच ने कलेक्टर से की है।

इनका कहना-

मतदान दलों द्वारा घर-घर फार्म पहुंचाए गए। अकेले बीएलओ के नियंत्रण में यह प्रक्रिया नहीं है। बुजुर्गों एवं निशकों के मतदान के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, ग्रामीण, प्रशासन की टीम मौजूद रहती है। निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर, निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए मतदाताओं के बीच पहुंचे, उनके द्वारा मतदान केन्द्र पर ही मतदान करने की इच्छा जाहिर की गई, इसकी पावती भी है। सूची में तीन बुजुर्ग मतदाता 85 प्लस के थे, उनमें एक का निधन हो चुका है।

- धर्मराज गढ़ेकर, बीएलओ सर्ग

होशंगाबाद की हलचल

संजीव डेराय

क्या होती है आचार संहिता..

कहा जाता है कि सरकारी तंत्र में आचार संहिता एक पावर होता है इसमें नेतागिरी नहीं होती है, चुनाव के दौरान अस्त्र के रूप में सरकारी अधिकारी कर्मचारियों के हाथों में यह पावर दिया जाता है। इस पावर से ऐसे सारे सरकारी काम हो सकते हैं जो नेतागिरी के कारण नहीं हो पा रहे थे लेकिन यह अधिकारी की इच्छा शक्ति पर यह निर्भर करता है उसका कैसे उपयोग करें या नहीं करें... लेकिन यह भी हाथी के दांत है, भला पानी में रहकर भला मगरमच्छों से कौन बैर लेगा यह एक सोचने समझने का विषय होता है।

शिक्षा की दुकान, मोटी कमाई का रास्ता..

नया शिक्षा सत्र शुरू होकर भी बंद हो गया एडमिशन हो गया, कॉपी किताबें खरीदी ली गईं। निजी स्कूलों की रणनीति के तहत बस अब उसके लुट की सिर्फ चर्चाएं ही रह गईं। किताबें स्कूल की मर्जी, फीस स्कूल की मर्जी, ड्रेस स्कूल की मर्जी, शिक्षकों को वेतन स्कूल की मर्जी, स्कूल में छुट्टियां स्कूल की मर्जी, शिक्षकों का पी एफ स्कूल की मर्जी... सबसे जोरदार बात इसमें यह है कि सिबीएसई और आईपीएस मान्यता में शिक्षा विभाग कुछ भी नहीं कर सकता। इस पूरी दुकानदारी में यदि किसी का कुछ जाता है तो वह जनता की जेब से जा रहा है।

रेत माफियाओं पर सख्ती या फिर ढील..?

रेत चोरी कोई अब नई बात नहीं पर जिस तरह से रेत चोरी हो रही है वह समझ से परे है। कभी बहुत सख्ती होती है तो कभी बेखौफ सड़क पर ट्राली और डम्पर दिखाई देने लगते हैं। कृषि कार्यों के लिए बनाई गई ट्रैक्टर ट्रॉली का इसमें सही उपयोग होता है। प्रदेश में आचार संहिता जरूर लगी है लेकिन रेत के व्यापारियों में इसे लेकर कोई खौफ नहीं, खुले आम पुलिस और जिला प्रशासन को मुंह चिढ़ाते ये अवैध कारोबारी उनके सामने से निकल जाते हैं जिनमें रेत भारी होती है। कौन से नियम के तहत नगर की सड़कों पर ये दौड़ते हैं यह उन्हें संरक्षण देने वाले ही बता सकते हैं।

ऑडिटोरियम निर्माण की कहानी का आधार फिर तो जालसाजी ही होगी..?

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बजरिया स्कूल का दौरा कर वह ऑडिटोरियम निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने की बात कहकर सनसनी फैला दी, अब सवाल यह है कि शिक्षाविद पंडित रामलाल शर्मा स्कूल तो पूरी तरह नगरपालिका स्वामित्व की जमीन पर अतिक्रमण कर चलाया जा रहा, फिर नियमानुसार नगरपालिका की इस जमीन का ना तो विधिवत सीमांकन है, और तो और अतिक्रमण कर्ता द्वारा फंसाया गया जालसाजी वाले दस्तावेजों के आधार पर जमीन खरीदी फरोखा वाले कागजों के कारण वैधानिक रूप में नजूल शीट नं 43 प्लॉट नंबर 15/1 सरकारी दस्तावेजों में लीज नवीनीकृत भी नहीं.. सरकारी दस्तावेज में इस नंबर वाले प्लॉट के आगे का पत्रा फट गया का रिमांक.. ऐसे में क्या ऑडिटोरियम निर्माण की कहानी का आधार जालसाजी रहेगी...???

और अब चलते चलते..

अचानक सभी होर्डिंग हट गए..!

नगरपालिका के एक नेताजी के जन्मदिन का जलसा उनकी मित्रमंडली ने मनाया, कलेक्टर बंगले के आगे बिजली के खंभों का उपयोग कर लगाए गए दूर तक बड़े बड़े होर्डिंग्स मानों आचार संहिता के दौरान प्रशासन को मुंह चढ़ाना हो, हालांकि यहां चुनाव सम्पन्न हो चुके फिर भी आचार संहिता लागू तो है। शायद कारण यही रहा हो संबंधित बड़े नेताओं की तस्वीर के साथ लगी नेताजी की तस्वीर वाले होर्डिंग दूसरे दिन ऐसे गायब मिले जैसे गधे के...

एडीपीओ की परीक्षा में फरीन खान ने 78 वीं रैंक प्राप्त की



सुबह खबरे सोहागपुर।

मप्र लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में आयोजित सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी परीक्षा 2021 का परीक्षा परिणाम हाल ही में घोषित हुआ। जिसमें सोहागपुर एडीपीओ अनोशा खान की भतीजी

फरीन खान ने पहले ही प्रयास में 78 वीं रैंक हासिल करके परीक्षा उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि 2021 में सागर विश्वविद्यालय से एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण हुई थी। इस उपलब्धि पर खान

परिवार में प्रसन्नता का माहौल बना गया है। फरीन खान को इस उपलब्धि पर सभी शुभचिंतकों एवं परिजनों ने शुभकामनाएं दी हैं।

समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण 12मई को

सुबह खबरे सोहागपुर।

समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर के शंकर-विवेकानंद संन्यास आश्रम पलकमति - माँ नर्मदा संगम पर जगद्गुरु आदि शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण 12मई को आयोजित किया गया है। श्री शंकर-विवेकानंद संन्यास आश्रम एवं स्वामी विवेकानंद भावधारा सेवा समिति के स्वामी ईशानंद ने बताया कि शंकर विवेकानंद संन्यास आश्रम में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भावधारा पर आधारित पूजन की तिथि (12 मई 2024, वैशाख शुक्ल 5) को सम्पन्न होगा। इसके पूर्व 11 मई दिन शनिवार प्रातः 8 बजे से अर्धरात्रि तक पाठ एवं 12 मई दिन रविवार प्रातः 8 बजे से अर्धरात्रि तक पाठ का समापन होगा। इसी तारतम्य में पूजन, रुद्राभिषेक, प्रतिमा सम्मान समारोह, कन्या पूजन के अंत में प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया है। शंकर-विवेकानंद संन्यास आश्रम भावधारा सेवा समिति सोहागपुर ने नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर अनेक जज एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान महान दान है। रक्तदान से अनेक गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने हर स्वस्थ व्यक्ति से रक्तदान की अपील की। इस कार्यक्रम में तृतीय जिला न्यायाधीश श्री अभिलाष जैन न्यायाधीश, श्रीमती स्वप्नश्री सिंह जिला रजिस्ट्रार/न्यायाधीश अध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री राधेश्याम यादव, सचिव श्री राजेश वर्मा, श्री जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्तागण एवं अनेक पैरालीगल चालेन्टियर्स उपस्थित रहे।

तीसरी बार मोदी जी के आगमन पर ऐतिहासिक धारानगरी में उत्सवी और उल्लासी बयार...

धार लिखेगा नई ईबारत, देश और दुनिया के लोकप्रिय नेता का स्वागत करने को हर कोई आतुर...

(धार से राजेश शर्मा की खास रिपोर्ट)

बाबा धारनाथ की पावन धरा ऐतिहासिक राजा भोज की धारानगरी की बयार इन दिनों मोदीमय है.. हर कोई आतुर है एक झलक पाने को.. क्या आम क्या खास हर किसी को इंतजार है 7 मई का.. और हो भी क्यों नहीं मोदी जी तीसरी बार जो इस पावन धरा पर आ रहे हैं.. एक ही स्वर यहां की फिजाओं में गुंजायमान है राष्ट्र गौरव मोदी जी का धार की माटी से अनुराग... देश और दुनिया के पटल पर मोदी के क्रेज से भला धार के बाशिंदे कैसे अछूते रह सकते.. आत्म यह है कि सबकी जुबां पर मोदी- मोदी है.. प्रचंड गर्मी की तपिश पर मालवा- निमाड और वनांचल वासियों की मोदीजी के प्रति दिवानगी भारी है.. बीते कई दिनों से क्या धार वरन् संपूर्ण अंचल के केंद्र मोदी और सिर्फ मोदी है... धार की गलियों- चौपाटी और चौपाल में ना लोकसभा चुनाव की चर्चा है ना सियासी किस्से.. फिलवक्त एक ही चर्चा- एक ही गुंज मोदी- मोदी ...



धारानगरी में कोई पीएम दूसरी बार आ रहा है

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर नजर डाले तो पहली बार यह अवसर आ रहा है जब प्रधानमंत्री रहते कोई पीएम दूसरी बार धारानगरी में आ रहा है। मोदीजी 2019 में धार में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। ठीक पांच साल बाद यानी 7 मई को प्रधामंत्री का दौरा तय हुआ है। सुखा की दृष्टि से चप्पे-चप्पे पर कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। खासकर डीआरपी लाइन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर को लेकर यहां तीन हेलीपैड के अतिरिक्त एक अन्य हेलीपैड भी बनाया गया है, इस तरह यहां पर कुल चार हेलीपैड तैयार किए गये हैं। वहीं मांडू रोड पर सीएम के लिए भी एक हेलीपैड तैयार किया गया है। धार- महु लोकसभा क्षेत्र के पीजी कॉलेज ग्राउंड, धार में 7 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयार है धार की धरा ...

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयार है धार की धरा.. और हो भी क्यों नहीं देश के लोकप्रिय और वैश्विक लीडर पीएम मोदी का राजा भोज की ऐतिहासिक नगरी में जो आगमन हो रहा है... क्या धार वरन् संपूर्ण अंचल में उत्सव और उल्लासी छटा है.. हर कोई निहारना चाहता है देश और दुनिया के लोकप्रिय नेता को.. इस ऐतिहासिक क्षण का सभी को इंतजार है... पीएम के रूप में दूसरी बार आ रहे मोदी जी के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं... लोकसभा चुनाव की बेला में पीएम का आगमन सियासी हलकों और सियासत के लिहाज से खासा मायने रखता है... मोदी जी का आगमन संपूर्ण मालवा और निमाड अंचल में भाजपाइयों में नयी ऊर्जा का संचार पैदा करेगा.. और हो भी क्यों नहीं आखिर हर देशवासियों की तरह धारानगरी के बाशिंदे भी मोदीजी की एक झलक देखने के लिए बेताब जो है..



प्रधानमंत्री का दौरा सियासत और सियासी दृष्टि से ऊर्जा और उत्साह का शंखनाद करेगा...

गौरतलब है कि धार जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। धार-महु लोकसभा के साथ ही अलीराजपुर, झाबुआ के आदिवासी वोट बैंक को देखते हुए यह एक बड़ी सभा है। इस लोकसभा चुनाव के तहत अब तक यहां पर कोई भी बड़ी रैली या सभा नहीं हुई है। इस चुनाव में यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री स्वयं राजाभोज की नगरी में आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी हो चुकी है। सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री धार पहुंचेंगे। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद प्रधानमंत्री इंदौर रोड पीजी कॉलेज में सभा को संबोधित करेंगे। धार जिले ही नहीं बल्कि झाबुआ जिले की 3 विधानसभा से भी मोदी जी को सुनने लोग यहां पहुंचेंगे। बड़ी संख्या में लोगों के आगमन को देखते हुए सुखा की दृष्टि से पुलिस द्वारा कड़े इंतजाम किए गए हैं।



कक्षा 10वीं में फेल होने पर घर से भागी 2 छात्रा

एक बुआ और दूसरी मौसी के घर गई पिपरिया, दोनों बेस्ट फ्रेंड

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एमपी बोर्ड की कक्षा दसवीं में फेल और सप्लीमेंट्री आने पर 2 नाबालिग छात्रा घर से भागकर भोपाल और पिपरिया पहुंच गईं। दोनों छात्रा बेस्ट फ्रेंड हैं। परीक्षा में एक फेल हुई और दूसरी को 2 विषय में सप्लीमेंट्री आई। रिजल्ट के बाद दोनों को उनके माता पिता ने डांटा। जिससे नाराज होकर दोनों घर से चुपचाक और निकल गईं। जिन्हें पथरीटा पुलिस ने साइबर की मदद से खोजबिन कर ढूंढ निकाला। एक छात्रा को भोपाल बुआ और दूसरी को पिपरिया से मौसी के घर से खोजा। दोनों को भोपाल से

लाने के बाद उनके बयान हुए। घर से जाने का कारण पूछा एक ने बताया कि मैं दसवीं में फेल हुईं। जिस पर पिता ने डांटा था। दूसरी ने भी कहा कि 2 विषय में सप्लीमेंट्री आने पर मम्मी-पापा ने चिढ़ाया था। पथरीटा थाना प्रभारी संजीव पंचार ने बताया दोनों छात्राएं 30 अप्रैल को घर से लापता हुईं। परिजन ने गुमशुदगी दर्ज कराई। दोनों नाबालिकों को खोजने के लिये एक टीम बनाई। जिसमें एएसआई रेखा मुनिया को जिम्मेदारी सौंपी गई। परिजन और रिश्तेदारों से संपर्क किया। जिससे एक का भोपाल और दूसरी का पिपरिया में मौसी के घर होने की जानकारी मिली। एएसआई ने अपनी टीम के साथ दोनों नाबालिक छात्राओं को भोपाल एवं पिपरिया से बरामद कर लिया।

नीट परीक्षा के लिए कड़ी तलाशी से गुजरे परीक्षार्थी : छात्राओं के एरिंग्स, हेयरपिन, लॉग, अंगुठी उतरवाई, हाथ-पैर में बंधे धागे काटे, 53 परीक्षार्थी रहे अब्सेंट



नर्मदापुरम (निप्र)। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी की ओर से देश की सबसे बड़ी मेडिकल परीक्षा नीट यूजी आज रविवार को हुई। दोपहर 2 से 5.30 बजे तक शहर के तीन केंद्र शांतिनिकेतन कॉन्वेंट स्कूल, सरवाइड स्कूल और सेमिऑटन हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुई। तीनों केंद्रों पर 1291 में से 1238 विद्यार्थियों ने नीट की एग्जाम दी। शहर सहित पिपरिया, केसला, सुकतवा, इटारसी, सहित आपस के गांव से विद्यार्थी परीक्षा देने आए। परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों को कड़ी तलाशी से गुजरना पड़ा। परीक्षा सेंटर्स पर छात्र-छात्राओं से जूते, एरिंग्स, नाक की बाली, हेयरपिन दिए गए। हाथ-पैर में बंधे धागे काटे गए। ऐसे में कुछ छात्राओं को नाक लॉग, एरिंग्स उतरवाने के लिए सुनार की दुकान तक जाना पड़ा।



यही नहीं, कुछ सेंटर्स पर 40डिग्री से अधिक तापमान में छात्र-छात्राओं को चैकिंग के नाम पर बाहर खड़े रहना पड़ा। परीक्षार्थियों के साथ आई माना-पिता, भाई बहनें रिश्तेदार सेंटर्स के बाहर बैठ इंतजार कर रहे हैं। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए)

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की हीट स्ट्रोक एडवाइजरी स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध हैं लू के उपचार की सभी व्यवस्थाएं

सीहोर (निप्र)। तापमान में बढ़ोत्तरी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उपस्वास्थ्य केंद्र तक की संस्थाओं को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। हीट स्ट्रोक के प्रारंभिक प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कर्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और

उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं। गंभीर और घातक हो सकता है हीट स्ट्रोक : हीट स्ट्रोक होने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे हो सकती है या एकाएक भी आ सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार

न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। लक्षणों की जल्द पहचान करके बीमारी की गंभीरता को किया जा सकता है कम : तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना।

जिला न्यायालय में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

न्यायाधीश रक्तदान शिविर में 68 युनिट रक्त एकत्रित

सीहोर (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 05 मई को जिला न्यायालय परिसर सीहोर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 68 युनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान एवं पुण्य कार्य है, जो किसी अन्य व्यक्ति के प्राणों की रक्षा करता है। इससे बड़ी कोई मानव सेवा नहीं हो सकती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए तथा अपने परिचितों तथा आपस के लोगों को इसके लाभों से अवगत कराकर रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। रक्तदान शिविर में



प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री एमके वर्मा, न्यायाधीश एवं जिला रजिस्ट्रार श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, उपाध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री सचिन तिवारी, रोटरी क्लब श्री राजेश काशिव उपस्थित थे।

मदिरा के अवैध विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध की गई कार्यवाही

हरदा (निप्र)। जिला आबकारी अधिकारी श्री लाल ने बताया कि बुधवार को आबकारी विभाग के दल ने मदिरा के अवैध विक्रय, संग्रहण व परिवहन की रोकथाम के लिये कार्यवाही की। आबकारी विभाग के दल ने वृत्त हरदा के टंकी मोहल्ला, पीलियाखाल, दूध डेरी मोहल्ला, सरदार मोहल्ला, वार्ड नम्बर 32 में दबिश देकर कुल 41 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 960 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर 6 प्रकरण दर्ज किये। जप्त किये मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 104200 रुपये है।

मदिरा के अवैध परिवहन में लिप्त 2 वाहन राजसात

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने मंगलवार को जिले में मदिरा के अवैध परिवहन में लिप्त 2 वाहनों को राजसात करने के आदेश जारी किए हैं। जिला आबकारी अधिकारी श्री रितेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी अधिनियम के तहत थाना हंडिया द्वारा जप्त वाहन मार्सेट सुजुकी कार क्रमांक एमपी 09 सीसी 4237 तथा थाना सिविल लाइन हरदा द्वारा जप्त वाहन मोटर सायकल क्रमांक एमपी 47 एम जे 1278 जप्त की गई थी। इन दोनों वाहनों को राजसात करने के आदेश कलेक्टर श्री सिंह द्वारा दिए गए हैं।

म.प्र.में 9 मई तक हीट वेव

जबलपुर-छिंदवाड़ा समेत 20 शहरों में बूढ़ाबांदी का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन यानी, 9 मई तक हीट वेव, बारिश और बादल छाने का अलर्ट है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव चलेगी, जबकि पूर्वी हिस्से में बूढ़ाबांदी और बादल रहेंगे। सोमवार को जबलपुर, छिंदवाड़ा समेत 20 शहरों में बूढ़ाबांदी हो सकती है। इससे पहले प्रदेश के 7 शहरों में दिन का उन्हापहर 42 डिग्री के पार पहुंच गया। सतना में पारा 43.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, कुल 27 शहर ऐसे रहे, जहां तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सीजन में पहली बार प्रदेश में इतनी गर्मी पड़ी।



इन शहरों में इतना रहा पारा

बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में पारा 41.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में 40.9 डिग्री, भोपाल में 40.3 डिग्री, इंदौर में 38.4 डिग्री और उज्जैन में पारा 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सोमवार को भी भीषण गर्मी का असर रहने का अनुमान जताया है।

टीकमगढ़ में टेम्पेचर 42 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, रीवा में 42.2 डिग्री, सीधी में 42.4 डिग्री, खजुराहो में 42.6 डिग्री, मलाजखंड में 42.8 डिग्री रहा।

सिवनी, खरगोन, मंडला, दमोह, नौगांव और उमरिया में 41 डिग्री या इससे अधिक तापमान दर्ज किया गया। छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, गुना, रायसेन और सागर भी खूब तपे।

इसलिए प्रदेश में ऐसा मौसम

भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया, अभी ईरान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन भी है। इन सबके चलते बादल भी छर रहे हैं। 6 मई को कुछ जिलों में बूढ़ाबांदी हो सकती है। इसके लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

7 मई को पश्चिमी मध्यप्रदेश में हीट वेव का अलर्ट है। पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवा भी चल सकती है। 8-9 मई को भी गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

प्रदेश में अगले 3 दिन ऐसा मौसम

7 मई: उज्जैन, रतलाम, नीमच, मंदसौर, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चलेगी। छिंदवाड़ा, पाटुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया, अनूपपुर, रीवा में तेज हवा, हल्की बारिश और बादल वाला मौसम रहेगा।

8 मई: मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा में हीट वेव का असर रहेगा। वहीं, छिंदवाड़ा, पाटुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया में बादल रहेंगे।

9 मई: इंदौर, रतलाम, अलीगंजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर जिलों में गरज-चमक की स्थिति रहेगी।

रवि प्रदोष पर बड़वाले महादेव मंदिर भोपाल में विशेष अनुष्ठान

बाबा बटेश्वर का आम रस से अभिषेक, सफेद चंदन का किया लेपन

भोपाल (नप्र)। भोपाल शहर के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में रवि प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर रविवार को बाबा बटेश्वर की विशेष पूजा अर्चना की गई। भीषण गर्मी के चलते मंदिर में भगवान के श्रृंगार, भोग और अभिषेक में परिवर्तन किया गया।



इस पावन दिन पर भगवान का आम रस से अभिषेक किया गया। गर्मी से राहत के लिए बाबा को सफेद चंदन का लेपन किया गया। इसके बाद शीतल भोग लगाया। जिसमें श्रौंखंड, लस्सी, छछ, दही भगवान को अर्पित किया गया। समिति के सदस्य संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया कि इस दौरान बाबा बटेश्वर के रजत मुकुटों पर सफेद चंदन का लेपन लगाया गया, मोमारे से बना साफ़ा पहनाया गया। साथ ही गर्भ गृह में विभिन्न प्रकार के लगभग 2 क्विंटल फूलों की रोशनी बनाई गई। रात्रि में भजन संध्या कर महाआरती की गई। अवसर पर समिति के अभिषेक लाला, आकाश अग्रवाल, अनुराग सोनी, ऐश्वर्या अग्रवाल सहित सभी सदस्य मौजूद रहे।

पीड़िता ने पहचानने से किया इनकार ; सीआईडी ने 7 पेज में पेश किए थे सबूत एमपी के चर्चित हनी ट्रैप केस के आरोपी बरी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में 2019 के चर्चित हनी ट्रैप केस से जुड़े मानव तस्करी के मामले के तीन आरोपी बरी हो गए। पीड़ित महिला ने कोर्ट में तीनों आरोपी आरती दयाल, श्वेता जैन और अभिषेक सिंह ठाकुर को पहचानने से इनकार कर दिया था।

आरोपी अभिषेक के वकील तारिक सिद्दीकी ने बताया कि सीआईडी कोर्ट में मानव तस्करी संबंध सबूत पेश नहीं कर सकी। जबकि जिस महिला को मानव तस्करी का शिकार बताया जा रहा था उसने कोर्ट में आरोपियों को पहचानने से ही इनकार कर दिया। ऐसे में कोर्ट ने हमारी दलीलों को सुनने के बाद अभिषेक, आरती दयाल और श्वेता जैन को भी बरी कर दिया है। फैसला आरोपी सोमवार को एडीजे पल्लवी द्विवेदी की कोर्ट में सुनाया है।

11 गवाह, 7 पेज में पेश किए थे सबूत- हनी ट्रैप केस की जांच के दौरान स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का एक युवती की खिदद फरोख्त की जानकारी मिली थी। जिसके बाद सीआईडी भोपाल ने पीड़ित महिला को शिकायत पर मानव तस्करी का एक अन्य केस दर्ज किया था। 27 दिसंबर 2019 को 3 आरोपी अभिषेक, आरती और श्वेता के खिलाफ चालान पेश किया, और पीड़िता के साथ 11 गवाहों की सूची पेश की



गई। सीआईडी को फरियादी ने 7 पेज का बयान सबूत के तौर पर दिया था। इसमें उसने सिर्फ एक बार श्वेता जैन का जिक्र किया। कहा कि उसे श्वेता और बरखा ने बताया था कि श्वेता जैन और आरती दयाल के संपर्क और भी बड़े लोगों से है।

एफआईआर दर्ज कराने वाले का बयान- महिला की मानव तस्करी का मामला दर्ज कराने वाले फरियादी ने पुलिस को बताया था कि अभिषेक, आरती, श्वेता जैन सागर और श्वेता जैन, बरखा सोनी व अन्य लोगों ने हमारी गरीबी और मजबूरी का फायदा उठाया, और मेरी बेटी व अन्य

लड़कियों का शारीरिक व मानसिक शोषण बताया है। इस मामले में सीआईडी ने जिन 10 अन्य लोगों के बयान दर्ज किए थे उनमें से किसी में भी श्वेता जैन का जिक्र नहीं किया था।

बयानों पर कायम नहीं रही पीड़िता- जांच एजेंसी को 29 सितंबर 2019 को पीड़िता ने बयान दिया था कि वह नरसिंहगढ़ जिले के एक गांव की रहने वाली है। उसकी परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह ग्रेजुएशन करने भोपाल आई थी। उसने एक इंस्टीट्यूट में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था।

बहन की शादी में 5 भाइयों की ट्रैक्टर पलटने से मौत

मरने वालों की उम्र 10 से 18 साल, तीन सगे तो दो चाचा के लड़के थे

● सीएम डॉ. यादव ने मृतक बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रु. की सहायता की घोषणा की

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में सोमवार सुबह 11.30 बजे ट्रैक्टर पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की उम्र 10 से 18 साल के बीच है। 10 और 12 साल के दो बच्चे घायल हुए हैं। घटना चरगावा थाना के तिनेटा गांव की है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया है।

एसपी सूर्यकांत शर्मा के मुताबिक, सभी बच्चे आपस में रिश्तेदार हैं। एक ही गांव तिनेटा देवरी के रहने वाले हैं। वे ट्रैक्टर से पानी का टैंकर लेने जा रहे थे। ट्रैक्टर को 18 साल का धर्मद ठाकुर (गोंड) चला रहा था। उसकी बहन की आज बारात आना थी। घर से 500 मीटर दूर ही निकले, तभी ट्रैक्टर अनबैलेंस होकर सड़क से उतरकर खेत में पलट गया। बताया जाता है कि हादसे के बाद शादी को आगे बढ़ा दिया गया है।

प्रशासन की ओर से फौरी तौर पर मृतकों के परिजन को 50-50 हजार रुपए और घायलों को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी गई है। वहीं, मुख्यामंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतक बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रु. की सहायता राशि देने की बात कही है। रतलाम दौरे के दौरान उन्होंने मदद की घोषणा की।

हादसे में तीन सगे भाईयों के साथ ही चाचा के दो बेटों की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार घर पर बहन की बारात आनी थी, सभी मिलकर शादी की तैयारी कर रहे थे। पिता रामप्रसाद ने बड़े बेटे से कहा कि गांव में पानी की किल्लत है, दूसरे गांव से टैंकर लेकर आना होगा। पिता की बात सुनते ही धर्मद गांव से तीन किलोमीटर दूर देवरी टैंकर लेने के लिए जाने लगे। धर्मद को जाते देख उसके दोनों छोटे भाई राजवीर और लकी भी जाने की जिद करने लगे तो धर्मद ने उन्हें भी ट्रैक्टर में बैठा लिया। इस बीच धर्मद के चाचा के दो बेटे अनूप, देवेंद्र के साथ ही रिश्तेदारी में आए दलपत और विकास भी बैठ गए।



गांव से 500 मीटर दूर आगे घाट पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में पांच बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे दूर जा गिरे। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने काफी प्रयास कर ट्रैक्टर में दबे बच्चों को बाहर निकाला।

हादसे में इनकी मौत

धर्मद (18) पिता राम प्रसाद ठाकुर देवेंद्र (15) पिता मोहन बरकड़ राजवीर (13) पिता राम प्रसाद ठाकुर अनूप (12) पिता गोविंद बरकड़ लकी (10) पिता राम प्रसाद ठाकुर

ये हुए घायल

दलपत (12) पिता निरंजन गोंड विकास (10) पिता राम कुमार उड़के

मंत्री राकेश सिंह भी पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना पर मंत्री राकेश सिंह अस्पताल पहुंचे। वे घायलों से मिले। उन्होंने डॉक्टरों से हादसे की जानकारी ली। घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिए। साथ ही मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

बम्पर वोटिंग के लिए सोना-चांदी खरीदी में छूट

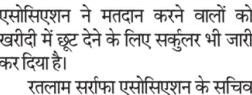
रतलाम जिले में उंगली पर अमित स्याही का निशान दिखाने पर सर्राफा व्यापारी देंगे छूट

भोपाल (नप्र)। तीसरे चरण में अधिकतम वोटिंग के लिए कलेक्टरों और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की कोशिशों के बीच रतलाम के सर्राफा व्यापारी सामने आए हैं। कलेक्टर रतलाम के साथ हुई बैठक के बाद यहां के सर्राफा कारोबारियों ने कहा है कि जो भी व्यक्ति उंगली पर मतदान की अमित स्याही का निशान दिखाएगा उसे सोना चांदी खरीदने पर छूट दी जाएगी। इसके अलावा रतलाम में निजी अस्पतालों की जांच में और रसोई गैस सिलेंडर पर 25 रुपए की छूट देने की बात कही गई है। इधर स्टेट बैंक ने भी रविवार को राजधानी भोपाल में हक जताओ और इंडीएम बटन दबाओ कार रेली का आयोजन किया।

रतलाम में 13 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर अधिकतम वोटिंग के लिए रतलाम कलेक्टर राजेश बाथम ने रतलाम शहर के विभिन्न व्यापारी संगठनों के साथ बैठक की है। कलेक्टर बाथम की पहल पर स्वर्ण नगरी रतलाम के स्वर्ण व्यापारियों के सर्राफा एसोसिएशन द्वारा घोषणा की गई कि रतलाम शहर की सर्राफा दुकान पर आने वाले ग्राहक अपनी उंगली पर अमित स्याही का निशान दिखाएगा तो उसे सोने तथा चांदी के आभूषण की खरीदी पर छूट दी जाएगी।

बैठक में सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष झमक भरपट ने कहा कि रतलाम कलेक्टर बाथम की पहल पर सर्राफा एसोसिएशन के व्यापारी, ज्वेलर्स अपनी दुकान पर आने वाले हर ग्राहक को मतदान के बाद अमित स्याही लगी उंगली दिखाने पर सोने के जेवर पर हर 10 ग्राम की खरीदी पर मूल्य का आधा प्रतिशत छूट प्रदान करेंगे जो आज की स्थिति

में लगभग 350 रुपए होती है। इसी प्रकार चांदी के आभूषण की खरीदी पर ग्राहक 1 प्रतिशत की छूट पाएगा जो आज की स्थिति में लगभग 600 रुपए है, यह छूट 13 मई से लेकर आगामी 20 दिनों तक दी जाएगी। झमक भरपट ने बताया कि सर्राफा



एसोसिएशन ने मतदान करने वालों को खरीदी में छूट देने के लिए सक्रिय भी जारी कर दिया है। रतलाम सर्राफा एसोसिएशन के सचिव भावेश डोशी ने बताया कि उनके एसोसिएशन के व्यापारी भी उंगली पर अमित स्याही का निशान बताने वाले प्रत्येक ग्राहक को सोने के जेवर की खरीदी पर हर 10 ग्राम पर आधे प्रतिशत की छूट तथा चांदी के आभूषण की खरीदी पर हर किलोग्राम पर मूल्य का एक प्रतिशत लगभग 800 रुपए की छूट ग्राहक को प्रदान करेंगे।

अरविंदो अस्पताल देगा 30 से

50 प्रतिशत तक की छूट

अरविंदो अस्पताल रतलाम के प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल पर अधिकाधिक मतदान के उद्देश्य में उनका अस्पताल भी सहभागी बन रहा है। अपनी उंगली पर अमित स्याही का निशान दिखाने वाले व्यक्ति को उनके अस्पताल में विभिन्न जांचों में 30 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके अलावा ओपीडी भी फ्री रहेगी, यह छूट 13 मई से 19 मई तक रहेगी।

एलपीजी डीलर्स एसोसिएशन

देगा 25 रुपए की छूट

एलपीजी डीलर एसोसिएशन के अमित अग्रवाल ने बताया कि मतदान करने वाले ग्राहकों को एक माह तक सुरक्षा पाईप (नली) पर प्रति नग 25 रुपए की छूट प्रदान की जाएगी।

केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा

प्रत्येक दुकान पर पलेक्स

केमिस्ट एसोसिएशन के जय छजलानी ने बताया कि उनके संगठन की लगभग 1200 केमिस्ट शॉप हैं, सभी शॉप पर मतदाता जागरूकता के फलेक्स उनके एसोसिएशन की पहल पर लगाए जा रहे हैं। केमिस्ट प्रवीण गुप्ता ने कहा कि शहर के 20 मतदान केन्द्रों पर उनके द्वारा ओआरएस घोल के पैकेट रखे जाएंगे।

साड़ी की दुकान पर भी मिलेगी छूट

बैठक में रतलाम कलाथ मार्केट स्थित अशोक साड़ी सेंटर के संचालक अंकुश जैन द्वारा बताया गया कि अधिकाधिक मतदान के उद्देश्य से उनके द्वारा ग्राहक को उनकी दुकान पर साड़ी व सूट की खरीदी पर 10 प्रतिशत छूट पर दी जाएगी, यह छूट 13 मई से 15 मई तक मिलेगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने दुख जाहिर

करते हुए एक्स पर लिखा-

तिनेटा देवरी में ट्रैक्टर पलटने से 5 बच्चों के असायिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रौचरणों में स्थान व शोक संतप्त परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूँ। हादसे में जो 2 बच्चे घायल हुए हैं। उनके उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। बाबा महाकाल से सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। शासन द्वारा मृतक बच्चों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए और घायलों के लिए 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

जिला पंचायत सदस्य अपनी गाड़ी में

लेकर आए बच्चों को

ग्राम पंचायत तिनेटा में सड़क हादसे के बाद जिला पंचायत सदस्य राम कुमार सैयाम मौके पर पहुंचे थे। एक घंटे तक एंबुलेंस तक एंबुलेंस नहीं आई तो रामकुमार अपनी ही गाड़ी में घायलों को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे और इलाज के लिए भर्ती करवाया। रामकुमार ने बताया कि मृतकों में धर्मद, राजवीर और लकी सगे भाई थे, जिनकी

बड़ी बहन की शादी थी। धूमा से आज शाम बारात आनी थी। घटना की सूचना धूमा दी गई है, जिसके बाद अब शादी का तारीख टाल दी गई है। इस घटना में धर्मद के चाचा के बेटे अनूप और देवेंद्र की भी मौत हो गई है। इसके अलावा दलपत और विकास जो कि शादी में समारोह में शामिल होने आए थे, वह घायल हुए हैं जिन्हें कि इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है।

पानी की है गांव में समस्या

जिला पंचायत सदस्य रामकुमार का कहना है कि तिनेटा गांव में पानी का एकमात्र साधन कुआ है जो कि गर्मी में सूख जाता है। पंचायत की तरफ से एक नलकूप है, जिससे कि पूरा गांव पानी लेता है। जिस किसी के घर पर शादी समारोह होता है, तो उसे गांव के बाहर से पानी की व्यवस्था करवानी होती है।

एडीएम पहुंची घायलों को देखने

पांच बच्चों की मौत के बाद कलेक्टर दीपक सक्सेना ने एडीएम मिशा सिंह और एसडीएम फंकज श्रीवास्तव को मौके पर भेजा। मिशा सिंह ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। एडीएम के मुताबिक जो बच्चा ट्रैक्टर चला रहा था, उसका नाम धर्मद सिंह था। तेज रफ्तार में ट्रैक्टर होने के कारण यह हादसा हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

दोस्तों को सुपारी देकर कराई पत्नी की हत्या

अफेयर में बन रही थी अड़चन ; कहानी गढ़ी- लुटेरों ने मार डाला, मेरा सिर फोड़ा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में लूट के लिए की गई महिला की हत्या की कहानी मनगढ़त निकली। हत्या का आरोपी पति ही निकला। उसने अपने तीन दोस्तों को 60 हजार रुपए की सुपारी देकर पत्नी की हत्या कराई। 20 हजार रुपए की रकम वह एडवॉस दे भी चुका था।

पुलिस ने रेशमा चौधरी (28) की हत्या के आरोप में पति शुभम चौधरी, पति के दोस्त देवत प्रहलाद ठाकुर, अनुराग कुशवाहा और शिवू चौधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के अफेयर के बारे में पत्नी को पता लग गया था। वह तीन महीने से पत्नी को मारने का प्लान बना रहा था।



एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने रविवार को खुलासा करते हुए बताया कि शुभम के किसी और महिला से अवैध संबंध की जानकारी लगने पर पति-पत्नी में झगड़ा होने लगा था। शुभम के सिर पर जो चोट लगी थी, वो प्लान का हिस्सा थी। उसके दोस्त ने ही उसका सिर फोड़ा था। घटना से पहले आरोपी अपने डेढ़ साल के बच्चे को उठाकर बोलेरो से बाहर निकल आया था। उसके साथियों ने रेशमा की गला दबाकर हत्या की थी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने बयान बदल रहा था। उसकी इसी बात पर शक हुआ। उसने बताया था कि वह दमोह नाका होते हुए पत्नी को मायके मटर टेरेसा नगर छोड़ने जा रहा था। कृषि उपज मंडी के पास जाम मिलने पर बोलेरो भोलानगर की ओर मोड़ दी। पुलिस ने जब उसकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस की तो वह इस रूट पर नहीं मिला।

दीवार से टकराई कार, दो छात्रों की मौत

ग्वालियर में दोस्त के बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे, मृतकों में एक पूर्व डिप्टी कमिश्नर का बेटा

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में झांसी हाईवे पर तेज रफ्तार एसयूवी कार बेकाबू होकर बैकैट की दीवार से टकरा गई। इसमें कार में सवार दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो की हालत गंभीर है। ये सभी दोस्त की बर्थडे पार्टी सेलिब्रेशन के लिए रिसॉर्ट गए थे। वहां से लौटते समय हादसा हो गया।

घटना रविवार-सोमवार दरमियानी रात 3 बजे की है। मृतकों में एक वारिद श्रीवास्तव नगर निगम के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शिशिर श्रीवास्तव का बेटा है। वे अभी पीएचई में अरिस्टेंट इंजीनियर हैं। मृतक में दूसरा छात्र ऋषभ जाट है, जिसके पिता एमआर हैं। दोनों ही मृतक अपने घर के इकलौते चिराग थे। पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

दीवार से टकराकर कार के परखच्चे उड़े- पूर्व डिप्टी कमिश्नर का बेटा वारिद श्रीवास्तव (21) अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए हाइवे स्थित एक रिसॉर्ट गया था। उसके साथ दोस्त ऋषभ जाट, जय यादव व मोहित चौहान भी आए थे। रात



वारिद श्रीवास्तव



ऋषभ जाट

तीन बजे के करीब वे घर के लिए रवाना हुए। कार मोहित चला रहा था। कार स्टार्ट करते ही उसने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। जब उनकी कार शिवपुरी लिंक रोड पहुंची तो कार अनियंत्रित होकर वींस बैकैट में जा चुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार ऋषभ और वारिद की मौके पर मौत हो गई। मोहित और जय गंभीर घायल हो गए।

पास ही चेंकिंग पॉइंट से पुलिस ने तत्काल की मदद- जहां हादसा

हुआ वहां से 50 कदम की दूरी पर शहर का सबसे बड़ा चेंकिंग पॉइंट है। हादसा होते ही पुलिस जवान वहां पहुंचे और कार में पड़े घायलों को अस्पताल पहुंचाया। कार पर मध्यप्रदेश शासन लिखा हुआ था। पुलिस जवानों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने वारिद व ऋषभ को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के दो कारण: स्पीड ज्यादा या टायर बर्स्ट हुआ- पुलिस का मानना है कि हादसा संभवतः दो कारण से हुआ होगा। कार की स्पीड तेज

होने पर ड्राइवर वाहन को नियंत्रण में नहीं रख सका होगा या मोड़ पर उससे वाहन मुड़ नहीं होगा। दूसरा स्पीड में वाहन का टायर बर्स्ट हो गया और कार अनियंत्रित हो गई हो। पुलिस को कार से कुछ शराब की बोतलें भी मिली हैं। मोहित और जय की हालत में सुधार के बाद पुलिस उनकी जांच कराएगी।

वारिद एमबीए कर रहा था, ऋषभ बी काम कर चुका था- वारिद श्रीवास्तव ने इसी साल बीकॉम पास करने के बाद एमबीए में दाखिला लिया था। उसके पिता ने बताया कि जीवाजी यूनिवर्सिटी से बेटे को एमबीए करा रहे थे, लेकिन बेटा का कहना था कि वह अपना बिजनेस शुरू करना चाहता है। ऋषभ के पिता भगवान सिंह जाट ने बताया कि बेटे ने बी काम पास किया था। बेटे को आगे की पढ़ाई कराना थी।

एसपी बोले- जांच के बाद आगे करेंगे कार्रवाई- एसपी शिवाज केदाम का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य आएं उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।